पौष कृष्ण - 4 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 156 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 31-12-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 अभी तक नहीं मिला राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का निमंत्रण : सिद्दरामैया

6 लांस हवलदार प्यारा सिंह : जान की बाजी लगाकर ध्वस्त किया उग्रवादियों का ठिकाना

7 नम आंखों से अमिताभ बच्चन ने 'कौन बनेगा करोड़पति 15' को किया अलविदा

फर्स्ट टेक

पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने इमरान खान के नामांकन पत्र खारिज किये

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को झटका देते हुए शनिवार को पंजाब प्रांत में नेशनल असेंबली की दो सीट के लिए दाखिल उनके नामांकन पत्र खारिज कर दिये। पाकिस्तान में आठ फरवरी को आम चुनाव के लिए मतदान होगा। लाहौर में निर्वाचन कार्यालय ने बताया, '' पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने नेशनल असेंबली चुनाव के लिए पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक इमरान खान के नामांकन को लाहौर (एनए 122) और मियांवाली (एनए-89) से खारिज कर दिया है।'' आयोग ने नामांकन खारिज करने का कारण तोशाखाना मामले में खान को दोषी ठहराया जाना और उनके नामांकन पत्र के प्रस्तावक और अनुमोदक का संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों का नहीं होना बताया है।

तुर्किये पुलिस ने देश भर से 189 आईएस संदिग्धों को लिया हिरासत में

अंकारा/वार्ता/शिन्हुआ। तुर्किये में सुरक्षा बलों ने देश के 37 प्रांतों में हीरोज-38 नाम का एक ऑपरेशन चलाकर इस्लामिक स्टेट के 189 संदिग्ध सदस्यों को हिरासत में लिया। एक कैबिनेट मंत्री ने शनिवार को यह जानकारी दी। गृहमंत्री अली येरलिकाया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि ऑपरेशन सभी प्रांतों में एक साथ चलाया गया। अधिकांश संदिग्धों को राजधानी अंकारा में हिरासत में लिया गया। देश के सबसे अधिक आबादी वाले शहर इस्तांबुल में 22 लोग पकड़े गए। येरलिकाया ने कहा, हमारे राष्ट्र की प्रार्थनाओं और हमारे सुरक्षा बलों के बेहतर प्रयासों के लिए धन्यवाद, हम बिना किसी रुकावट के अपना संघर्ष जारी रखेंगे। तुर्किये सरकार ने 2013 में इस्लामिक स्टेट को आतंकवादी संगठन घोषित किया था और वर्ष 2015 के बाद से देश में कई घातक हमलों के लिए इसे जिम्मेदार ठहराया था।

इंडोनेशिया में 6.3 तीव्रता का भूकंप

जकार्ता/वार्ता। इंडोनेशिया के पश्चिमी प्रांत आचे में शनिवार तड़के भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.3 मापी गयी। इससे हालांकि बड़ी लहरें नहीं उठीं और ना ही सुनामी की कोई चेतावनी जारी की गयी। देश की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भू-भौतिकी एजेंसी ने शनिवार को यह जानकारी दी। स्थानीय समयानुसार आज तड़के 05:19 बजे आए भूकंप के तेज झटके महसूस किये गये।

प्राचीन काल से ही तीर्थ यात्राओं का हमारे देश में गौरवशाली इतिहास रहा है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को विभिन्न तीर्थ यात्राओं का जिक्र करते हुए कहा कि हमारे देश में प्राचीन काल से ही तीर्थयात्रा का अपना महत्व और गौरवशाली इतिहास रहा है।

शनिवार को पुनर्विकसित अयोध्या स्टेशन का उद्घाटन और एक अन्तरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करने तथा 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद यहां एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि अयोध्या में चल रहे निर्माण कार्यों से यहां आने वाले हर राम भक्त के लिए अयोध्या धाम की यात्रा और भगवान का दर्शन आसान हो जाएगा।

विभिन्न 'यात्राओं' का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा, ''साथियों, हमारे देश में प्राचीन काल से ही तीर्थ यात्राओं का अपना महत्व रहा है, अपना गौरवशाली इतिहास रहा है। बद्री विशाल से सेतुबंध रामेश्वरम तक 'यात्रा', गंगोत्री से गंगासागर तक 'यात्रा' , द्वारकाधीश से जगन्नाथपुरी तक 'यात्रा', 12 ज्योतिर्लिंगों की 'यात्रा', चार धाम की 'यात्रा', कैलाश मानसरोवर 'यात्रा', कांवड़ 'यात्रा', शक्तिपीठों की 'यात्रा', पंढरपुर 'यात्रा', आज भी भारत के कोने-कोने में कोई ना कोई यात्रा निकलती रहती है, लोग आस्था के साथ उनसे जुड़ते रहते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''तमिलनाडु में भी कई यात्राएं प्रसिद्ध हैं। शिव स्थल पाद यात्तिरै, मुरुगनुक्कु कावडी यात्तिरै, वैष्णव तिरुप-पदि यात्तिरै, अम्मन तिरुत्तल यात्तिरै, केरल में सबरीमला यात्रा हो, आंध्र-तेलंगाना में मेदाराम में सम्मक्का और सरक्का की यात्रा हो, नागोबा यात्रा, इनमें लाखों की संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं।''

प्राण प्रतिष्ठा के दिन अयोध्या आने का मन न बनाएं : मोदी

अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को देश के नागरिकों से 22 जनवरी को अयोध्या नहीं आने की अपील करते हुए कहा कि (राम लला का प्राण प्रतिष्ठा का) कार्यक्रम विधिपूर्वक हो जाने के बाद, वे अपनी सुविधा के अनुसार अयोध्या आएं। प्रधानमंत्री मोदी ने 22 जनवरी के राम मंदिर 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह से पहले शनिवार को अयोध्या का दौरा किया और एक रैली को संबोधित किया।

विनेश ने खेल रत्न और अर्जुन पुरस्कार लौटाये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विश्व चैम्पियनशिप में कई बार की पदक विजेता विनेश फोगाट ने शनिवार को अपने खेल रत्न और अर्जुन पुरस्कार लौटा दिये और दिल्ली पुलिस द्वारा प्रधानमंत्री कार्यालय जाने से रोके जाने के बाद दोनों पुरस्कार कर्तव्य पथ के बीच में छोड़ दिये। एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता पहलवान विनेश ने मंगलवार को अपना खेल रत्न और अर्जुन पुरस्कार सरकार को लौटाने का फैसला किया था और कहा था कि ऐसे समय में इस तरह के सम्मान बेमतलब हो गए हैं जब पहलवान न्याय पाने के लिए जूझ रहे हैं।

विनेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर अपने फैसले की घोषणा की थी। उन्होंने शनिवार को अपने पुरस्कार लौटाने के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय पहुंचने का प्रयास किया लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया।

विरोध स्वरूप विनेश ने कर्तव्य पथ पर पुरस्कार छोड़ दिए और बाद में दिल्ली पुलिस ने इन्हें उठा लिया।

विनेश ने ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया के साथ मिलकर भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के करीबी संजय सिंह के चुनाव का विरोध किया था।

पीएसएलवी/एक्सपोसेट का कल होगा प्रक्षेपण, उल्टी गिनती आज से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/वार्ता। पीएस-एलवी/-सी58/एक्सपोसैट, एक्स-रे पोलारिमीटर उपग्रह और 10 अन्य पेलीओपैड का प्रक्षेपण एक जनवरी को होगा, जिसकी उलटी गिनती रविवार को शीहरिकोटा से शुरू होगी।

इसरो के सूत्रों ने शनिवार को कहा कि मिशन सोमवार सुबह नौ बजकर 10 मिनट पर प्रथम लॉन्च पैड से उड़ान भरेगा।

प्रक्षेपण के लगभग 20 मिनट बाद एक्सपोसैट को इसरो के विश्वसनीय प्रक्षेपण यान पीएसएलवी द्वारा 650 किलोमीटर पूर्व की ओर कम झुकाव वाली कक्षा में स्थापित किया जाएगा।

प्रक्षेपण होने के बाद पीएस4 चरण इंजन को कक्षा के आकार को छोटा करने के लिए दो बार पुनः प्रारंभ किया जाएगा। एक्सपोसैट को 650 किमी, 6 डिग्री कक्षा में स्थापित करने के बाद, पीएस-4 चरण को दो बार पुनः प्रारंभ करके 350 किमी 350 किमी गोलाकार कक्षा में उतारा जाएगा जिससे ऑर्बिटल प्लेटफॉर्म प्रयोगों के लिए 3-अक्ष स्थिर मोड में बनाए रखा जा सके। पीएस-4 में बचे हुए प्रणोदक को भविष्य में वायुमंडल में पुनः प्रवेश प्रयोगों में पीएस-4 चरण की सुरक्षा को सक्षम बनाने के अग्रदूत के रूप में मुख्य इंजनों के माध्यम से निपटाया जाएगा। पीएसएलवी ऑर्बिटल एक्सपेरिमेंटल मॉड्यूल-3 (पीओईएम) प्रयोग इसरो और इन-स्पेस द्वारा आपूर्ति किए गए 10 पहचाने गए पेलोड के उद्देश्य को पूरा करते हुए निष्पादित किया जाएगा।

तवांग में 73 फुट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया

ईटानगर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक त्सेरिंग ताशी ने अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले में समुद्र तल से 15,200 फुट की ऊंचाई पर 73 फुट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज फहराया। आधिकारिक विज्ञप्ति में शनिवार को यह जानकारी दी गई। इस अवसर पर शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्थानीय विधायक ताशी ने सीमा की सुरक्षा कर रहे सैनिकों से राष्ट्र के प्रति अपनी निस्वार्थ सेवा जारी रखने को कहा।

विश्व आज भारत की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रहा है : अनुराग ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने शनिवार को 2024 के लिए सरकार के वार्षिक कैलेंडर का अनावरण किया। इसमें अयोध्या सहित देशभर के तीर्थस्थलों के विकास को शामिल किया गया है।

अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर के लिए प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन होगा।

ठाकुर ने कहा कि कैलेंडर पिछले लगभग 10 वर्ष में सरकार की उन उपलब्धियों को प्रदर्शित करता है जिनका लक्ष्य 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है।

मंत्री ने कहा, 2023 अब खत्म हो रहा है और 2024 हमारे लिए नई संभावनाएं लेकर आ रहा है। दुनिया भारत की ओर आशा भरी नजरों से देख रही है। दुनिया नेतृत्व के लिए भारत की ओर देख रही है। ऐसा पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रदान किए गए नेतृत्व और उनकी सरकार की उपलब्धियों के कारण है। ठाकुर ने कहा कि कैलेंडर आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की प्रगति, विनिर्माण, स्वास्थ्य सेवा, पर्यटन, कूटनीति जैसे क्षेत्रों में पहल और युवाओं, गरीबों, महिलाओं और किसानों के लाभ के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं को दर्शाता है।

'प्रधानमंत्री का प्रयास दुनिया को भारत की आध्यात्मिक शक्ति से अवगत कराना है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। केंद्रीय नागर विमानन व उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को कहा कि जहां भारत विश्व स्तर पर एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है, वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रयास दुनिया को भारत की आध्यात्मिक शक्ति से अवगत कराना भी है।

सिंधिया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने अयोध्या में रेलवे के साथ-साथ हवाई अड्डे की भी सुविधा दी है। उन्होंने कहा, ''जहां भारत विश्व स्तर पर एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है, वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रयास दुनिया को भारत की आध्यात्मिक शक्ति से अवगत कराना भी है।'' उन्होंने कहा, ''लंबे समय से प्रतीक्षित क्षण अब अपने चरम पर पहुंच रहा है। बाईस जनवरी को भव्य मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह किया जाएगा, जिससे अयोध्या और 'सूर्यवंश' का गौरव वापस आएगा।''

सिंधिया ने कहा, ''भारत आज विश्व पटल पर एक आध्यात्मिक शक्ति के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के कर कमलों से 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी।''

उन्होंने कहा, ''आज का दिन ऐतिहासिक है। हजारों वर्षों के इंतजार की घड़ी अब खत्म होने जा रही है।

अल्पसंख्यकों का तुष्टिकरण कर रही कर्नाटक सरकार : भाजपा

बेंगलूरु/भाषा। विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सिद्धरमैया के नेतृत्व वाली कर्नाटक के अल्पसंख्यक कॉलोनियों के विकास के लिए 1,000 करोड़ रुपये की कार्य योजना तैयार करने के कदम की आलोचना करते हुए उस पर तुष्टीकरण का आरोप लगाया। कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक ने आरोप लगाया कि सरकार अल्पसंख्यकों के लाभ के लिए 1,000 करोड़ रुपये आवंटित करके उन्हें खुश कर रही है, जबकि सूखे से प्रभावित किसानों को उनके नुकसान की भरपाई करने के प्रति अनिच्छुक है।

इजराइल के युद्धक विमानों ने मध्य गाजा में शरणार्थी शिविरों पर हवाई हमले किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी)/एपी। इजरायल के युद्धक विमानों ने शनिवार को मध्य गाजा में दो शहरी शरणार्थी शिविरों पर हमला किया।

इस बीच दुनिया के संघर्ष विराम के आह्वान के बावजूद बाइडन प्रशासन ने इजराइल को एक नए आपात हथियार की बिक्री के लिए मंजूरी दे दी।

इजराइल का कहना है कि वह हमास के खात्मे तक अपने जबरदस्त हवाई और जमीनी हमले को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। अमेरिका ने कूटनीतिक रूप से इजराइल की रक्षा की है और हथियारों की आपूर्ति जारी रखी है।

इजराइल का तर्क है कि अब युद्ध समाप्त करने का मतलब हमास की जीत होगी।

दक्षिणी इजराइल पर सात अक्टूबर को हमास के हमले के कारण शुरू हुए युद्ध में गाजा पट्टी में लगभग 85 प्रतिशत लोग विस्थापित हो चुके हैं।

नुसीरात और ब्यूरिज के शहरी शरणार्थी शिविरों के निवासियों ने रात भर और शनिवार को इजराइली हवाई हमलों की सूचना दी।

नुसीरात निवासी मुस्तफा अबू वावी ने कहा कि उनके एक रिश्तेदार के घर पर हमला हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई।

नुसीरात में शुक्रवार देर रात दूसरे हमले में अल-कुद्स टेलीविजन चैनल के एक पत्रकार के घर को निशाना बनाया गया।

चैनल ने कहा कि पत्रकार जाबेर अबू हैद्रोस और उनके परिवार के छह सदस्य मारे गए।

31-12-2023 सूर्यास्त 6:03 बजे | 01-01-2024 सूर्योदय 6:41 बजे

BSE	NSE
72,240.26 (-170.12)	21,731.40 (-47.30)

सोना	चांदी
6,571 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	76,652 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

नये साल की चाल

मनभावों में आया उछाल,
वो ही घोड़े है वही चाल।
वो ही रोटी है वही दाल,
वो मँहगाई से बुरे हाल।
नेताओं की खुरदरी खाल,
वादों का वो ही मकड़जाल।
सब कुछ वो ही सबको मलाल,
लो आया फिर से नया साल।।

प्रधानमंत्री मोदी का अयोध्या में भव्य स्वागत, रोडशो किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को सुबह भगवान राम की जन्मभूमि अयोध्या पहुंचे, जहां महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई प्रमुख नेताओं ने उनका स्वागत किया।

अयोध्या पहुंचने के बाद मोदी हवाई अड्डे से ही 'अयोध्या धाम' रेलवे स्टेशन के लिए एक रोडशो पर निकले, जहां विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने सड़कों के दोनों तरफ खड़े होकर प्रधानमंत्री का हाथ हिलाकर अभिवादन किया और उनकी तस्वीर भी लेते दिखे। इससे पहले, अयोध्या हवाई अड्डे पर पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी समेत कई प्रमुख नेताओं ने स्वागत किया। मुख्यमंत्री योगी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर प्रधानमंत्री को अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत करते हुए एक तस्वीर साझा की और एक पोस्ट में कहा, आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का श्री अयोध्या धाम में हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन। एक अन्य पोस्ट में योगी आदित्यनाथ ने कहा, आपके यशस्वी और दूरदर्शी नेतृत्व में अयोध्या धाम की विरासतों को संरक्षित व संवर्धित करते हुए उसके समग्र विकास की यात्रा अविराम जारी है। आपका हार्दिक आभार एवं अभिनंदन।

अयोध्या पहुंचने के बाद मोदी हवाई अड्डे से ही एक रोड शो पर निकले। इस दौरान सड़क के दोनों ओर हजारों लोगों की भीड़ प्रधानमंत्री की एक झलक पाने को बेताब दिखी। मोदी का कारवां रेलवे स्टेशन की ओर बढ़ा। सुरक्षाकर्मियों से घिरे मोदी सड़कों के दोनों ओर उमड़े लोगों का उत्साह देखकर खुद को रोक नहीं पाए और अपने वाहन का दरवाज़ा खोला और हाथ हिलाकर उत्साहित जनता का अभिवादन किया। फिर वह वाहन पर खड़े होकर ही लोगों के अभिवादन का जवाब देते नजर आए।

लोग उनके काफिले पर पुष्प वर्षा कर रहे थे। मोदी ने सफेद कुर्ता, सदरी और पहना हुआ था और नीले रंग का एक दुशाला ले रखा था। रोड शो के रास्ते में बीच-बीच में साधु संत भी अलग-अलग मंचों से उनका स्वागत करते देखे गए। लता मंगेशकर चौक पर भी साधु-संतों ने मोदी पर पुष्पवर्षा की और उन्होंने आशीर्वाद भी दिया। आज अयोध्या का शृंगार काफी अद्भुत था। जिसने भी देखा, यह शृंगार देख मनमोह उठा। रास्ते-रास्ते में बने तोरण द्वार और संत-साधु और आमजन ने अपने मन में भी मोदी को बसा लिया।

श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या के लिए छत्तीसगढ़ का 300 मीट्रिक टन सुगंधित चावल रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या के लिए शनिवार को 300 मीट्रिक टन सुगंधित चावल रवाना किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री साय आज राजधानी रायपुर के वीआईपी मार्ग स्थित श्रीराम मंदिर में छत्तीसगढ़ प्रदेश राईस मिलर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित सुगंधित चावल अर्पण समारोह में शामिल हुए। उन्होंने बताया कि साय ने श्रीराम मंदिर परिसर से 300 मीट्रिक टन चावल से भरे 11 ट्रक को झंडी दिखाकर श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या के लिए रवाना किया। अधिकारियों ने बताया कि सुगंधित चावल अर्पण समारोह में राईस मिलर्स एसोसिएशन ने भगवान श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ से जन्मभूमि अयोध्या के लिए सुगंधित चावल भेजा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने श्रीराम मंदिर में मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ भगवान श्रीराम, माता जानकी और भगवान लक्ष्मण की पूजा अर्चना करके प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

अधिकारियों ने बताया कि इस अवसर पर सांसद सुनील सोनी, साय मंत्रिमंडल के सदस्य और छत्तीसगढ़ प्रदेश राईस मिलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी मौजूद थे। धान के कटोरे के रूप में प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ को भगवान श्रीराम का 'ननिहाल' माना जाता है। माना जाता है कि प्रभु श्रीराम की माता कौशल्या 'कौशल' प्रदेश (छत्तीसगढ़) की राजकुमारी तथा अयोध्या के राजा दशरथ की पत्नी थीं। मान्यता के अनुसार भगवान राम 14 वर्ष के वनवास के दौरान छत्तीसगढ़ में कई स्थानों से होकर गुजरे थे। राजधानी रायपुर से लगभग 27 किलोमीटर स्थित चंदखुरी गांव को भगवान श्रीराम की मां माता कौशल्या की जन्मस्थली माना जाता है। गांव में स्थित प्राचीन माता कौशल्या मंदिर को राज्य की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दौरान भव्य रूप दिया गया था।

मोदी ने अयोध्या में 15,700 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया

अयोध्या/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को राज्य में 15,700 करोड़ रुपए से अधिक की केंद्र व राज्य सरकार की 46 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान शंखनाद की ध्वनि और 'राम राम-जय जय राजा राम' भजन से वातावरण गूंज उठा। इनमें अयोध्या और उसके आसपास के क्षेत्रों के विकास के लिए लगभग 11,100 करोड़ रुपए की परियोजनाएं और पूरे उत्तर प्रदेश में अन्य परियोजनाओं से संबंधित लगभग 4,600 करोड़ रुपए की परियोजनाएं शामिल हैं। प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण अयोध्या में आधुनिक विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे का विकास करना, कनेक्टिविटी में सुधार करना और शहर के समृद्ध इतिहास व विरासत के अनुरूप नागरिक सुविधाओं को पुनर्जीवित करना है। इस बीच, अयोध्या के समग्र विकास के लिए सरकार द्वारा किए गए प्रयासों पर लघु फिल्म भी दिखाई गई।

प्रधानमंत्री ने कटरा में दूसरी वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई

कटरा/जम्मू/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के कटरा के बीच दूसरी वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने उम्मीद जताई कि अगले वर्ष की शुरुआत में कश्मीर और कन्याकुमारी के बीच रेल संपर्क शुरू हो सकता है। कटरा के एक कार्यक्रम में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने जम्मू-कश्मीर के लोगों को नववर्ष पर उपहार के रूप में दूसरी वंदे भारत ट्रेन मिलने पर शुभकामनाएं दीं और कहा कि क्षेत्र के चौमुखी विकास के लिए कार्य की मोदी की प्रतिबद्धता के कारण ही यह संभव हो पाया। उपराज्यपाल सिन्हा ने कहा, आने वाले महीनों में प्रधानमंत्री लोगों को कश्मीर-कन्याकुमारी रेल संपर्क समर्पित करेंगे। सिर्फ जम्मू-कश्मीर के लोग ही नहीं बल्कि पूरा देश इस ऐतिहासिक परियोजना के पूरा होने का इंतजार कर रहा है। वंदे भारत ट्रेन को प्रधानमंत्री द्वारा हरी झंडी दिखाए जाने से पहले सिन्हा कटरा रेलवे स्टेशन पर एक कार्यक्र को संबोधित कर रहे थे। अधिकारियों के मुताबिक, उधमपुर श्रीनगर बारामूला रेलवे लिंक (यूएसबीआरएल) का 111 किलोमीटर निर्माणाधीन कटरा-बनीहाल खंड अगले चार महीनों के भीतर पूरा हो सकता है।

पुनर्विकसित अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन का हुआ उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्य। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अयोध्या में पुनर्विकसित रेलवे स्टेशन 'अयोध्या धाम' का उद्घाटन किया और दो नई अमृत भारत व छह नई वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री मोदी एक दिवसीय अयोध्या दौरे पर शनिवार सुबह यहां पहुंचे। वह अयोध्या हवाई अड्डे से एक रोड शो करते हुए अयोध्या रेलवे स्टेशन पहुंचे। यहां उनके साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक के अलावा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी भी मौजूद थे।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, पुनर्विकसित अयोध्या रेलवे स्टेशन का पहला चरण 240 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से विकसित किया गया है। अयोध्या धाम जंक्शन रेलवे स्टेशन के रूप में पहचाने जाने वाला तीन मंजिला आधुनिक रेलवे स्टेशन लिफ्ट, स्वचालित सीढ़ियों, फूड प्लाजा, पूजा की जरूरतों के लिए दुकानें, अमानती सामान घर, बाल देखभाल कक्ष, प्रतीक्षा कक्ष जैसी सभी आधुनिक सुविधाओं से लैस है। बयान के अनुसार, स्टेशन भवन 'सभी के लिए सुलभ' और 'आईजीबीसी प्रमाणित ग्रीन स्टेशन भवन' होगा। प्रधानमंत्री ने देश में सुपरफास्ट यात्री ट्रेनों की नई श्रेणी अमृत भारत एक्सप्रेस' को हरी झंडी भी दिखायी। अमृत भारत ट्रेन एक एलएचबी पुश-पुल' ट्रेन है जिसमें गैर वातानुकूलित बोगियां हैं। इसमें रेल यात्रियों के लिए सुंदर और आकर्षक डिजाइन वाली सीटें, बेहतर सामान रैक, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, एलईडी लाइट, सीसीटीवी, सार्वजनिक सूचना प्रणाली जैसी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हैं। मोदी ने दो नई अमृत भारत ट्रेन दरभंगा-अयोध्या-आनंद विहार टर्मिनल अमृत भारत एक्सप्रेस और मालदा टाउन-सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनस (बेंगलूरु) अमृत भारत एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखायी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने छह नई वंदे भारत ट्रेन को भी हरी झंडी दिखायी। इनमें श्री माता वैष्णो देवी कटरा-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस, अमृतसर-दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस, कोयंबटूर-बेंगलुरु कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस, मैंगलोर-मडगांव वंदे भारत एक्सप्रेस, जालना-मुंबई वंदे भारत एक्सप्रेस और अयोध्या-आनंद विहार टर्मिनल वंदे भारत एक्सप्रेस शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने दिखाई नई रेल गाड़ियों को हरी झंडी

अयोध्या के लिए पहला यात्री विमान लेकर आने वाले पायलट के परिजनों ने कहा, गर्व का क्षण

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में पहला यात्री विमान लेकर आने वाले पायलट के पिता मुक्तेश्वर सिंह (75) का कहना है कि यह उनके परिवार के लिए गर्व का क्षण है क्योंकि हवाई अड्डे के उद्घाटन के बाद उनका बेटा पहला वाणिज्यिक यात्री विमान लेकर कुछ ही देर में आएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अयोध्या में नवनिर्मित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया। इसका नाम नाम महर्षि वाल्मीकि के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने रामायण की रचना की थी।

इंडिगो विमान के पायलट कैप्टन आशुतोष शेखर (33) हवाई अड्डे के उद्घाटन के बाद पहला वाणिज्यिक यात्री विमान को लेकर आज शाम चार बजे यहां पहुंचेंगे। राम मंदिर के 22 जनवरी को होने वाले उद्घाटन समारोह के दौरान कार्यक्रम में हजारों लोगों के यहां शामिल होने की उम्मीद है। शेखर की मां मधुरानी सिंह (68) ने कहा, भगवान राम हमारे प्रति दयालु रहे हैं। उन्होंने कहा, जिस दिन से उसने विमानन क्षेत्र में प्रवेश किया, मेरा सपना था कि बेटे को अयोध्या तक विमान उड़ाते हुए देखूं। यह 12 साल बाद सच हुआ है। एक सपने को पूरा होते देखने से ज्यादा खुशी की बात क्या हो सकती है। मुक्तेश्वर सिंह ने कहा, यह एक दिव्य क्षण भी है। उन्होंने कहा कि उनके परिवार का अयोध्या से जुड़ाव चार पीढ़ियों से है जब उनके परदादा श्री राम वल्लभ कुंज जानकी घाट के अनुयायी बनने के लिए शहर आए थे। परिवार के सदस्यों ने बताया कि शेखर यहां के गुरु श्री राम शंकर दास जी वेदांती के शिष्य हैं।

मुक्तेश्वर सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, यह पूरे परिवार के लिए एक बहुत ही भावुक क्षण है। मेरा मानना है कि वह हमारे गुरुओं के आशीर्वाद के कारण विमानन क्षेत्र में आया। आज, प्रधानमंत्री द्वारा हवाई अड्डे का उद्घाटन करने के बाद वह उद्घाटन उड़ान के रूप में अयोध्या के लिए पहला विमान लेकर आएंगे। यह परिवार के लिए बहुत गर्व की बात है। शेखर की पत्नी श्वेता रंजन ने कहा कि विमान दोपहर 2:40 बजे दिल्ली से उड़ान भरेगा और शाम चार बजे अयोध्या में उतरेगा। उन्होंने कहा, मेरे दोनों बच्चे बहुत खुश हैं। हमारा मानना है कि परिवार में हमारी खुशी और समृद्धि भगवान राम की जन्मभूमि के साथ हमारे दिव्य जुड़ाव की कृपा से है।

भगवान राम की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा और अमृतकाल की शुरुआत, महज एक संयोग नहीं : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि अयोध्या के राममंदिर में रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा एवं देश के 'अमृतकाल' की शुरुआत मजह एक संयोग नहीं है, बल्कि यह इस बात का संकेत है कि देश अगले 25 साल में वैश्विक मंच पर प्रमुखता से उभरेगा।

'अमृतकाल' भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष से 100 वर्ष तक की 25 वर्ष की अवधि को संदर्भित करता है। अयोध्या में अगले महीने होने वाले भव्य समारोह के बारे में शाह ने कहा कि पिछले कई वर्षों से देश उस स्थान पर मंदिर बनाने में असफल रहा, जहां भगवान राम का जन्म हुआ था और जिसे 550 साल पहले ध्वस्त कर दिया गया था। शाह ने कहा, इन वर्षों में, कई संतों ने विभिन्न तरह की तपस्या की और इस देश को जागृत करने और अपनी 'वर्षों पुरानी, सनातन संस्कृति' की ओर लौटने के लिए प्रार्थना की, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा था।

स्वामीनारायण गुरुकुल विश्व विद्या प्रतिष्ठानम (एसजीवीपी) की ओर से आयोजित पूज्य पुराणी स्वामी स्मृति महोत्सव को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, (अदालती) मामलों को जटिल बनाया गया और इसमें देरी की गई। इसके बाद नरेन्द्रभाई के नेतृत्व में सरकार का गठन हुआ और संतों के आशीर्वाद और प्रेरणा से सभी रास्ते आसान हो गए और 22 जनवरी को रामलला अपने घर में एक बार फिर से विराजेंगे। उन्होंने कहा, प्रभु श्री राम के मंदिर की पुनर्स्थापना और भारत के अमृतकाल की शुरुआत, यह इशारा है कि यह भारत का स्वर्णिम समय है और अगले 25 साल में हमारा देश विश्व में सर्वप्रथम बनने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में 22 जनवरी को एक शुभ मुहूर्त में अयोध्या के मंदिर में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। शाह ने कहा, आज पूरे विश्व में हमारे योग और आयुर्वेद को स्वीकृति मिल रही है और हमारे वेदों, उपनिषदों और दर्शन के सभी वैज्ञानिक दृष्टिकोणों को समझने के लिए पूरा विश्व लालायित है। प्रधानमंत्री मोदी 22 जनवरी को अयोध्या जाएंगे और वहां संतों की उपस्थिति में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे, यह पूरे देश के लिए शुभ संकेत है। सिर्फ अयोध्या ही नहीं, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर पुनर्निमित हुआ है, उज्जैन में महाकाल लोक बना है, बद्रीनाथ धाम और केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण हुआ है, सोमनाथ के मंदिर को फिर से एक बार सोने का बनाने की शुरुआत हो चुकी है और गुजरात के पावागढ़ पर सालों बाद फिर से शक्तिपीठ की स्थापना भी होगी, यह शुरुआत एक शुभ संकेत है।

झारखंड: आदिवासी संगठन के बंद के आह्वान के कारण रेलगाड़ियों, वाहनों की आवाजाही प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जमशेदपुर/भाषा। सरना धर्म को मान्यता देने की मांग के समर्थन में एक आदिवासी संगठन के 'प्रतीकात्मक भारत बंद' के आह्वान के कारण शनिवार को झारखंड में कुछ स्थानों पर रेल सेवाएं और वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण पूर्व रेलवे (एसईआर) के चक्रधरपुर और आद्रा मंडल क्षेत्र में रेल सेवाएं प्रभावित हुईं। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि 'आदिवासी सेंगेल अभियान' (एएसए) के समर्थकों ने आद्रा मंडल के कांटाडीह-टाटानगर रेल मार्ग को अवरुद्ध कर दिया, जिससे रांची-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस सहित कई रेलगाड़ियों को पुरुलिया रेलवे स्टेशन पर एक घंटे से अधिक समय तक रोका गया। उन्होंने कहा कि बाद में रेलगाड़ी को परिवर्तित मार्ग, पुरुलिया-कोटशिला-मुरी-चांडिल-टाटानगर के रास्ते रवाना किया गया। हटिया-खड़गपुर एक्सप्रेस को रद्द कर दिया गया, जबकि रांची-हावड़ा एक्सप्रेस और हटिया-टाटानगर एक्सप्रेस को मुरी-चांडिल-टाटानगर मार्ग से रवाना किया गया। अधिकारी ने बताया कि चक्रधरपुर मंडल के आदित्यपुर-गमहरिया और मालुका-डांगोवापोसी स्टेशनों के बीच बहाल्दारोड रेलवे स्टेशन पर लगभग 100 प्रदर्शनकारी पटरी पर बैठ गए।

कांग्रेस ने अमेठी के साथ अन्याय किया: स्मृति ईरानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमेठी (उप्र)/भाषा। केंद्रीय महिला बाल विकास एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री स्मृति ईरानी ने शनिवार को बिना नाम लिए राहुल गांधी और गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए कहा कि इस क्षेत्र ने एक ऐसा सांसद देखा है जिसके परिवार ने देश की सत्ता में रहने के बावजूद त्रिसूडी स्थित इंडियन आयल के संयंत्र की ओर एक नजर उठा कर नहीं देखा।

शनिवार को रामगंज त्रिसूडी में इंडियन आयल के गैस बाटलिंग प्लांट के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री ईरानी ने कहा, आज मुझे हर्ष की अनुभूति होती है की इस संयंत्र की क्षमता में छह गुना विस्तार हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अयोध्या से डिजिटल तरीके से रामगंज त्रिसूडी स्थित इस

बाटलिंग प्लांट के विस्तारीकरण का उद्घाटन किया। इस संयंत्र में प्रतिदिन 3,000 सिलेंडर भरे जाते थे और क्षमता विस्तार के बाद 17,000 सिलेंडर प्रतिदिन भरे जाएंगे।

ईरानी ने कहा, मुझे अभी साढ़े चार साल हुए हैं लेकिन 40 साल वालों को जबाब देना चाहिए की उन्होंने अमेठी में क्या किया। जनता जानना चाहती है कि उनके साथ 40 सालों तक छल क्यों किया गया। मंत्री ने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) दोनों ने मिलकर अमेठी और यहां के लोगों के साथ अन्याय किया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि अमेठी ने वह दिन देखा है जब बड़े बड़े लोगों और साहूकारों को गैस एजेंसी मिल जाती थी, लेकिन आम आदमी को गैस का कनेक्शन नहीं मिलता था।

स्मृति ईरानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को हर साल 6000 रुपए दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेठी में तीन लाख किसानों को फायदा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राज में अमेठी ने सम्राट साइकिल के नाम पर किसानों की जमीनों को लुटते हुए देखा है, यह कांग्रेस का असली चेहरा है। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि 160 करोड़ रुपए के निवेश से इस बाटलिंग प्लांट का विस्तार हुआ। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सहयोग से अमेठी में तेजी से विकास हो रहा है।

शैतानी शक्तियां शांति को भंग करने की कोशिश कर रहीं : बीरेन सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने शनिवार को समाज के सभी वर्गों से हिंसा छोड़ने और राज्य में शांति बहाल करने के लिए बातचीत में शामिल होने की अपील की। उन्होंने इंफाल पश्चिम जिले के कदंगबंद में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा एक ग्राम रक्षक की हत्या की निंदा करते हुए कहा कि शैतानी शक्तियां शांति को भंग करने का प्रयास कर रही हैं। मुख्यमंत्री सचिवालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, आइए हिंसा छोड़ें,

बातचीत की मेज पर आएं और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए बातचीत शुरू करें। ग्राम रक्षक की हत्या मामले की जांच की जा रही है और सुरक्षाबल हत्यारों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान चला रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नागरिक समाज संगठन और सरकारी तंत्र पहाड़ी और घाटी दोनों क्षेत्रों में शांति बहाल करने के लिए कार्य कर रहे हैं। मणिपुर में इम्फाल वेस्ट जिले के कदंगबंद में एक ग्राम रक्षक जेम्सबॉड निंगोमबाम की शनिवार तड़के अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने आशंका जताई है कि नजदीकी पहाड़ी में सक्रिय उग्रवादी इस हमले के लिए जिम्मेदार हैं।

सहज स्मृति योग

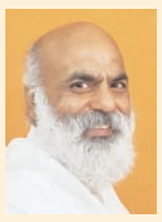

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: अध्यात्म के क्षेत्र में और संसार के क्षेत्र में जान के मानना चाहिए या मान के जाना जा सकता है?

उत्तर: मानता कोई तभी है जब वह पहचान पाए या पहचान जाए क्योंकि बिना पहचान के यथार्थ सम्बन्ध के बोध (ज्ञान) की संभावना ही बनी रहती है, वह प्रकट नहीं हो पाता है। यह बात दोनों क्षेत्रों में लागू होती है।

अंतर इतना है कि भौतिक या सांसारिक विषयों और संबंधों में आदान- प्रदान दो तरफ़ा होता है। अर्थात् विषयों और संबंधों को कुछ कुछ हम बदलते रहते हैं, उनका उत्तरोत्तर संयोजन समझकर्। और, कुछ कुछ वे हमें बदलते रहते हैं अपना सेवन कराकर । अध्यात्म के क्षेत्र में यह व्यापार (विस्तार/उन्नयन/उत्थान/उद्धार) इकतरफा होता है क्योंकि जिसे जिज्ञासु या मुमुक्षु ने सर्वव्यापी के स्वरूप में पहचाना हो वहाँ व्यापार (लेन-देन) कैसे शेष बच सकता है?

क्या मानी संख्या से यह सवाल हल हो सकता है? स्वयं विचार कीजिए? ऐसा होता तो कोई किसी से पूछता ही क्यों? जो सम्बन्ध की इस मर्यादा को पहचानते हैं और, उसी के अनुसार जीवन व्यवहार करते हैं वे धन्य हैं। वे कृतकृत्य (हैं)/होंगे। क्योंकि, शोक मोह संदेह भ्रम से तत्क्षण उबर (पाते हैं)पाएँगे।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

पी एम विश्वकर्मा
सम्मान · सामर्थ्य · समृद्धि

मोदी सरकार की गारंटी, पारंपरिक हुनर को नई पहचान

इस योजना से ना सिर्फ देशभर के कारीगरों और शिल्पकारों का कौशल निखरेगा, बल्कि हमारे इन परिवारजनों की बनाई चीजों को दुनियाभर में नई पहचान भी मिलेगी।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

पी एम विश्वकर्मा

योजना के लाभ

पी एम विश्वकर्मा प्रमाण-पत्र और पहचान-पत्र

स्किल अपग्रेडेशन के लिए ट्रेनिंग और ₹ 500 प्रतिदिन स्टाइपेंड

₹ 15 हजार तक की टूलकिट

विश्वकर्मा भाई-बहनों को ₹ 3 लाख तक बिना गारंटी ऋण

डिजिटल लेन-देन के लिए प्रोत्साहन

उत्पादों के लिए क्वालिटी सर्टिफ़िकेशन, ब्रांडिंग और विज्ञापन जैसी मार्केटिंग सहायता

18 प्रकार के पारंपरिक कारीगरों-शिल्पकारों को मिलेगा लाभ

सुथार/बढ़ई

नाव निर्माता

अस्त्रकार

दर्जी

मालाकार

राजमिस्त्री

सुनार

कुम्हार

जूते बनाने वाले

कपडे धोने वाले

बाल काटने वाले

ताला बनाने वाले

हथौड़ा और टूलकिट निर्माता

मूर्तिकार, पत्थर तराशने/तोड़ने वाले

मछली पकड़ने का जाल बनाने वाले

लोहे का काम करने वाले

टोकरी/चटाई/झाड़ू बनाने वाले/ कॅयर बुनकर

गुड़िया और खिलौना निर्माता (पारंपरिक)

CBC 25101/13/0007/2324

विश्वकर्मा भाई-बहन स्कीम में आवेदन के लिए आज ही अपने नज़दीकी **जन सेवा केंद्र** जाएं

राज्यपाल मिश्र ने 12 केबिनेट एवं 10 राज्य मंत्रियों को शपथ दिलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 21 विधायकों व चुनाव लड़ रहे एक प्रत्याशी ने शनिवार को मंत्री पद की शपथ ली जिनमें से 12 को कैबिनेट, पांच को राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व पांच को राज्यमंत्री बनाया गया है। राज्यपाल कलराज मिश्र ने राजभवन में विधायकों को पद व गोपनीयता दिलाई। जिनको मंत्री बनाया गया है उनमें सुरेन्द्रपाल सिंह टीटी भी शामिल हैं जो करणपुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। इस सीट पर पांच जनवरी को मतदान होना है। कैबिनेट मंत्रियों में डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, गजेंद्र सिंह खींवसर, राज्यवर्धन सिंह राठौड़, बाबूलाल खराड़ी, मदन दिलावर, जोगाराम पटेल, सुरेश सिंह रावत, अविनाश गहलोत, जोराराम कुमावत, हेमंत मीणा, कन्हैयालाल चौधरी व सुमित गोदारा शामिल हैं। वहीं विधायक संजय शर्मा, गौतम कुमार, झाबर सिंह खर्रा, हीरालाल नागर को राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में शपथ दिलाई गई है। इसके अलावा विधायक ओटाराम देवासी, डॉ. मंजू बाघमार, विजय सिंह चौधरी, के के बिश्नोई व जवाहर सिंह बेढम ने राज्यमंत्री पद की शपथ ली।

उल्लेखनीय है कि राज्य में विधानसभा की 200 में से 199 सीटों के लिए 25 नवंबर को मतदान हुआ। चुनाव परिणाम तीन दिसंबर को घोषित किया गया था। भजनलाल शर्मा ने 15 दिसंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ नवनिर्वाचित विधायक दिया कुमारी व प्रेमचंद बैरवा को उपमुख्यमंत्री बनाया गया था। राज्य की करणपुर सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी गुरमीत सिंह कुन्नर के निधन के कारण चुनाव स्थगित कर दिया गया था। इस सीट पर अब पांच जनवरी को मतदान होगा। यहां भाजपा की ओर से पूर्व मंत्री सुरेंद्रपाल उम्मीदवार हैं तो कांग्रेस ने कुन्नर के बेटे रुपिंदर सिंह को प्रत्याशी बनाया है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने शपथ लेने वाले विधायकों के नाम पुकारे और कैबीनेट मंत्रियों में सबसे पहले सवाईमाधोपुर से विधायक डा किरोड़ी लाल मीणा ने कैबीनेट मंत्री के रुप में शपथ ली। इसके बाद लोहावट से विधायक गजेन्द्र सिंह खींवसर, झोंटवाड़ा से राज्यवर्धन सिंह राठौड़, झाड़ोल से बाबू लाल खराड़ी, रामगंजमंडल से मदन दिलावर , लूणी से जोगाराम पटेल, पुष्कर से सुरेश रावत, जैतारण से अविनाश गहलोत, सुमेरपुर से जोराराम कुमावत, प्रतापगढ़ से हेमंत मीणा, मालपुरा से कन्हैया लाल चौधरी एवं लूणकरणसर से विधायक सुमित गोदारा ने कैबीनेट मंत्री के रुप में शपथ ली।

इसके बाद राज्य मंत्रियों (स्वतंत्र प्रभार) में अलवर से विधायक संजय शर्मा, बड़ी सादड़ी से गौतम कुमार, श्रीमाधोपुर से झाबर सिंह खर्रा, सांगोद से हीरा लाल नागर तथा पूर्व विधायक एवं विधायक प्रत्याशी सुरेन्द्र पाल सिंह टीटी ने राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार के रुप में शपथ ली। राजस्थान में यह पहला अवसर है कि टीटी को वर्तमान में विधायक नहीं होते हुए भी मंत्री बनने का मौका मिला है। टीटी श्रीगंगानगर जिले की करणपुर विधानसभा सीट पर आगामी पांच जनवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी है।

इसी तरह पांच राज्य मंत्रियों ने अपने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली जिनमें सिरोही से विधायक ओटाराम देवासी, जायल से मंजू बाघमार, नावां से विजय सिंह चौधरी, गुडामालानी से कृष्ण कुमार के के विश्नोई एवं नगर से विधायक जवाहर सिंह बेढ़म शामिल है।

उल्लेखनीय है कि सोलहवीं विधानसभा के चुनाव में भाजपा को 115 सीटों के साथ स्पष्ट बहुमत मिलने के बाद गत 15 दिसंबर को मुख्यमंत्री शर्मा के साथ विद्याधरनगर से विधायक दिया कुमारी एवं दूदू से विधायक डा प्रेम चंद बैरवा उपमुख्यमंत्री के रुप में शपथ ले चुके है। इस प्रकार भजन लाल सरकार में पहले मंत्रिमंडल के विस्तार के साथ ही दो दर्जन मंत्री हो गए।

शामिल नहीं हुईं राजे

राजस्थान में दो बार मुख्यमंत्री रहीं वसुंधरा राजे आज अपनी पार्टी की सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं हुईं। उनके नजदीकियों ने बताया कि उनकी पुत्र वधू के पिता का निधन होने के कारण वह उत्तर प्रदेश शोक प्रकट करने गई हुई हैं। बता दें कि वसुंधरा राजे की अहम मौके पर गैर मौजूदगी चर्चा का विषय बनी रही। हालांकि, मंत्रिमंडल में बात की जाए तो 22 में से सात मंत्री ऐसे हैं, जो उनके नजदीकी माने जाते हैं। इनमें तीन कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर, सुरेश रावत और हेमंत मीणा एक-एक राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार, सुरेंद्र पाल सिंह टीटी तथा दो राज्यमंत्री ओटाराम देवासी और मंजू वाघमार शामिल हैं। राजस्थान में भाजपा की नई सरकार में मंत्रिमंडल लगभग नया है। आज 22 विधायकों को शपथ दिलाई गई है। उनमें से 16 पहली बार मंत्री बने हैं। वहीं, मुख्यमंत्री और दोनों उप-मुख्यमंत्रियों को भी जोड़ लिया जाए तो भाजपा सरकार की 25 सदस्य वाली मंत्री परिषद में 19 विधायक ऐसे हैं, जो पहली बार मंत्री बने हैं।

केबिनेट मंत्री

1 डॉ. किरोड़ी लाल मीणा
2 गजेन्द्र सिंह खींवसर
3 राज्यवर्धन सिंह राठौड
4 बाबूलाल खराड़ी
5 मदन दिलावर
6 जोगाराम पटेल
7 सुरेश सिंह रावत
8 अविनाश गहलोत
9 जोराराम कुमावत
10 हेमंत मीणा
1 कन्हैया लाल चौधरी
12 सुमित गोदारा

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

1 संजय शर्मा
2 गौतम कुमार दक
3 झाबर सिंह खर्रा
4 सुरेन्द्रपाल सिंह टी.टी.
5 हीरालाल नागर

राज्य मंत्री

1 ओटाराम देवासी
2 डॉ. मंजू बाघमार
3. विजय सिंह चौधरी
4 के.के. विश्नोई (कृष्ण कुमार विश्नोई)
5 जवाहर सिंह बेढम

भजनलाल मंत्रिमंडल में झालावाड़ समेत 7 लोकसभा क्षेत्र से एक भी मंत्री नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भाजपा की भजनलाल शर्मा सरकार में मंत्रिमंडल का विस्तार लोकसभा क्षेत्र को ध्यान में रखकर किया गया, लेकिन वसुंधरा राजे के पुत्र दुष्यंत के लोकसभा क्षेत्र से एक भी मंत्री नहीं बनाया गया है। राज्य में 7 लोकसभा क्षेत्र हैं, जहां से एक भी मंत्री नहीं है। मंत्रिमंडल में झालावाड़, बांसवाड़ा, भीलवाड़ा, झुंझुनूं, दौसा, चुरु व करौली-धौलपुर लोकसभा क्षेत्र के किसी भी विधायक को मंत्री नहीं बनाया गया है। आने वाले आम चुनावों के लेकर इन लोकसभा क्षेत्रों में भाजपा कैसे डेमेज कंट्रोल करेगी।

जयपुर शहर लोकसभा क्षेत्र से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और डिप्टी सीएम दीया कुमारी हैं। जयपुर ग्रामीण लोकसभा से राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ हैं। सीकर से झाबरसिंह खर्रा, अलवर लोकसभा से संजय शर्मा, कोटा से मदन दीलावर, हीरालाल नागर को मंत्री बनाया गया है। बीकानेर से सुमित गोदारा, गंगानगर से सुरेंद्रपाल सिंह टीटी, भरतपुर लोकसभा से जवाहर सिंह बेढम, सवाई माधोपुर से किरोड़ीलाल मीणा को मंत्री बनाया है। अजमेर लोकसभा क्षेत्र से डॉ. प्रेमचंद बैरवा डिप्टी सीएम हैं और वासुदेव देवनानी को विधानसभा अध्यक्ष चुना गया है। नागौर से डॉ. मंजू बाघमार व विजय सिंह चौधरी मंत्री बने हैं। जोधपुर लोकसभा क्षेत्र में गजेंद्र सिंह खींवसर, जोगाराम पटेल, ओटाराम देवासी, केके विश्नाई मंत्री बने हैं। उदयपुर लोकसभा क्षेत्र से बाबूलाल खराड़ी को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। चित्तौड़गढ़ से हेमंत मीणा व गौतम दक को मंत्री बनाया है। राजसमंद लोकसभा क्षेत्र से अविनाश गहलोत को मंत्री बनाया है।

मुलाकात

कोटा में शनिवार को अपने प्रवास के दौरान लोक सभा कैम्प कार्यालय में आमजन से मुलाकात करते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला।

साहू ने राजस्थान के डीजीपी का अतिरिक्त प्रभार संभाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी उत्कल रंजन साहू ने शनिवार सुबह यहां पुलिस मुख्यालय में कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) का कार्यभार संभाल लिया। पदभार संभालने के बाद साहू ने कहा कि राज्य सरकार के निर्देश और प्राथमिकताओं के आधार पर अपराध नियंत्रण पर विशेष ध्यान देने के साथ ही महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों, गैंगवार व साइबर अपराधों की रोकथाम की दिशा में विशेष काम किया जाएगा। साहू 1988 रिपीट 1988 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी हैं। उल्लेखनीय है कि निवर्तमान डीजीपी उमेश मिश्रा ने शनिवार को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली। इसके बाद राज्य सरकार ने साहू को राजस्थान के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा।

एक बयान के अनुसार, पुलिस मुख्यालय में महानिदेशक (कानून व्यवस्था) राजीव शर्मा, महानिदेशक (साइबर सुरक्षा) डॉ रवि मेहरड़ा, अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) संजय अग्रवाल, गोविन्द गुप्ता, अनिल पालीवाल, संजीब नार्झरी, विशाल बंसल व वीके सिंह सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने साहू का स्वागत किया। पदभार ग्रहण करने के बाद पुलिस मुख्यालय में उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया।

साहू ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि वे पूरी टीम को साथ लेकर मेहनत करते हुए आमजन को राहत देने का प्रयास करेंगे। गिरोहों के बीच लड़ाई, साइबर अपराध और महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई होगी। साइबर अपराध पर उन्होंने कहा कि इसमें जन जागरूकता जरूरी है। अगर लोग सचेत रहें तो साइबर अपराध में काफी कमी लाई जा सकती है और लोगों को जागरूक करने के लिए भी विभाग काम कर रहा है। साहू ने कहा कि वह सरकार की मंशा के मुताबिक अपराध में कमी लाने का काम करेंगे। अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार की जा रही है। पुलिस और आबकारी विभाग की ओर से अवैध शराब पर की जा रही कार्रवाई को आगे भी जारी रखा जाएगा।

भाजपा ने चुनाव लड़ रहे सुरेन्द्रपाल सिंह टीटी को मंत्री बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने करणपुर सीट से चुनाव लड़ रहे पूर्व मंत्री सुरेन्द्रपाल सिंह टीटी को मंत्रिपरिषद में शामिल किया है। इस सीट पर पांच जनवरी को मतदान होना है। उल्लेखनीय है कि मंत्रिपरिषद का शपथ ग्रहण समारोह यहां राजभवन में हुआ जहां 12 को कैबिनेट, पांच को राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व पांच को राज्यमंत्री पद की शपथ दलिाई गई। राज्यपाल कलराज मिश्र ने राजभवन में विधायकों और सुरेन्द्रपाल सिंह टीटी को पद व गोपनीयता दिलाई।

टीटी ने राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में शपथ ली। टीटी करणपुर सीट से भाजपा के उम्मीदवार हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य में विधानसभा की 200 में से 199 सीटों के लिए 25 नवंबर को मतदान हुआ। इसका परिणाम तीन दिसंबर को आया। करणपुर गंगानगर सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी और तत्कालीन विधायक गुरमीत सिंह कुन्नर के निधन के कारण चुनाव स्थगित कर दिया गया था। इस सीट पर अब पांच जनवरी को मतदान होगा। वोटों की गिनती आठ जनवरी को होगी।

यहां भाजपा की ओर से पूर्व मंत्री सुरेंद्रपाल उम्मीदवार हैं तो कांग्रेस ने कुन्नर के बेटे रुपिंदर सिंह को प्रत्याशी बनाया है। करणपुर विधानसभा क्षेत्र से कुल 249 मतदान केंद्र हैं। छह दिसंबर तक यहां 2 लाख 40826 मतदाता थे। गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव में इस समय भाजपा के पास 115 सीटें व कांग्रेस के पास 69 सीटें हैं।

भजनलाल शर्मा ने 15 दिसंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ नवनिर्वाचित विधायक दिया कुमारी व प्रेमचंद बैरवा को उपमुख्यमंत्री बनाया गया। वहीं कांग्रेस ने टीटी को मंत्री बनाए जाने की आलोचना की है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि पार्टी इस मामले को निर्वाचन आयोग के संज्ञान में लाकर कार्रवाई की मांग करेगी।

डोटासरा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, भाजपा का अहंकार सातवें आसमान पर है। भाजपा ने निर्वाचन आयोग को ठेंगा दिखाकर आदर्श आचार संहिता का उल्लघंन करते हुए करणपुर से भाजपा प्रत्याशी सुरेंद्रपाल टीटी को मंत्री पद की शपथ दिलाई है।'

' उन्होंने लिखा, संभवतः देश में यह पहला मामला है जब चुनाव से पूर्व भाजपा ने अपने प्रत्याशी को मंत्री बनाया है, कांग्रेस इस मामले को निर्वाचन आयोग के संज्ञान में लाकर कार्रवाई की मांग करेगी।'' इसके साथ ही उन्होंने कहा, भाजपा भले ही मतदाताओं को प्रलोभन दे लेकिन करणपुर की सीट कांग्रेस पार्टी बड़े अंतर से जीतेगी।''

राजस्थान में सत्ता बदली, गहलोत-राजे युग का अवसान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राजनीतिक पटल पर इस साल एक नई इबारत लिखी गई जब पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा ने 15 दिसंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही बारी-बारी से राज्य की सत्ता के केंद्र में रहे अशोक गहलोत व वसुंधरा राजे के युग का एक तरह से अवसान हो गया। राजस्थान में 25 साल तक सिर्फ दो लोग ही बारी-बारी से मुख्यमंत्री पद पर रहे। इसकी शुरुआत 1998 में हुई जब कांग्रेस नेता अशोक गहलोत मुख्यमंत्री बने। उसके बाद हर पांच साल मुख्यमंत्री पद गहलोत और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वसुंधरा राजे के बीच बदलता रहा। लेकिन इसी साल दिसंबर में यह क्रम टूट गया और 25 नवंबर को राज्य विधानसभा की 200 में से 199 सीट के लिये हुये चुनाव में भाजपा ने 115 सीट जीत का बहुमत हासिल किया।

भाजपा की ओर से भजनलाल शर्मा को विधायक दल नेता चुना गया और उन्होंने 15 दिसंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ दिया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा को उपमुख्यमंत्री बनाया गया। यह अलग बात है कि राज्य में भाजपा को बहुमत मिलने के बाद राजे को एक बार फिर मुख्यमंत्री पद की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा था। हालांकि, पार्टी ने सांगानेर सीट से पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा को चुनकर चौंका दिया।

वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गहलोत ने इस चुनावी साल में यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत लगा दी कि अगर पार्टी सत्ता में वापसी करे तो वे मुख्यमंत्री पद के लिए आलाकमान की पहली पसंद हों। इसके लिए उनकी तत्कालीन सरकार ने महंगाई राहत शिविर'' के जरिए सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार किया। उनकी इन प्रमुख योजनाओं में उज्ज्वला योजना के तहत लाभार्थी परिवारों को 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराना शामिल है। इसी साल उनकी सरकार ने महत्वाकांक्षी चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना को भी बढ़ाने की घोषणा की जिसमें लाभार्थियों को प्रति वर्ष 25 लाख रुपये तक का मेडिकल कवर' दिया जाता है।

लेकिन गहलोत और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच खींचतान राज्य में पार्टी के प्रदर्शन पर भारी पड़ी। पायलट ने पिछली भाजपा सरकार के दौरान हुए कथित भ्रष्टाचार'' के मामलों में 'पर्याप्त कार्रवाई नहीं होने' के खिलाफ और सरकारी भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक को लेकर प्रदर्शन किया। उन्होंने एक दिन का उपवास रखा और एक तरह से तत्कालीन गहलोत सरकार पर निशाना साधते हुए अजमेर से जयपुर तक पैदल मार्च भी निकाला। इस दौरान अटकलें थीं कि वह अपनी अलग पार्टी बना सकते हैं। हालांकि, पार्टी आलाकमान ने नवंबर चुनाव से पहले दोनों खेमों के बीच समझौता करा दिया। फिर भी चुनाव प्रचार के दौरान पायलट ने खुद को कुछ सीट तक ही सीमित रखा।

चुनावी साल में महिलाओं के खिलाफ अपराध को लेकर गहलोत सरकार को काफी आलोचनाओं सामना करना पड़ा। भीलवाड़ा में 14 साल की एक लड़की के साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के बाद उसके शव को कोयले की भट्टी में जला दिया गया, हालांकि बाद में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा प्रतापगढ़ जिले में आदिवासी महिला को उसके पति और ससुराल वालों ने निर्वस्त्र कर घुमाया। गहलोत ने पीड़िता से मुलाकात की और उसे सरकारी नौकरी की भी पेशकश की। वहीं चुनाव के बाद जयपुर में एक और सनसनीखेज वारदात हुई जब दो हमलावरों ने राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के नेता सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की गोली मारकर हत्या कर दी। उन्होंने अपने उस साथी'' की भी हत्या कर दी जो उन्हें गोगामेड़ी के घर तक लेकर गया था। पुलिस ने बाद में शूटर को पकड़ लिया।

कोचिंग के गढ़ कोटा से छात्रों के आत्महत्या करने की खबरें इस साल भी आती रहीं। वर्ष 2022 में 15 आत्महत्या की घटनाएं की तुलना में 2023 में 26 छात्रों ने अपना जीवन समाप्त कर लिया। इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए अधिकारियों ने कोचिंग संस्थानों और छात्रावास के लिए विभिन्न दिशा-निर्देश जारी किये, जिनमें छात्रों के लिए अधिक अवधि की छुट्टी और नियमित परामर्श सत्र शामिल रहा। यहां तक कि कमरों में 'स्प्रिंग-लोडेड' पंखे लगाने का प्रस्ताव किया गया ताकि छात्रों को पंखों में फंदा लगाकर आत्महत्या करने से रोका जा सके।

इस साल राजनीतिक गलियारों और चुनाव प्रचार में कथित लाल डायरी'' की भी खूब चर्चा रही। इस प्रकरण की शुरुआत मंत्री राजेंद्र गुढ़ा द्वारा महिलाओं के खिलाफ अपराध को लेकर अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा करने तथा मंत्री पद से उनकी बर्खास्तगी से हुई। इसके बाद, गुढ़ा ने दावा किया कि उसके पास एक लाल डायरी'' है जो उन्होंने कांग्रेस नेता धर्मेंद्र राठौड़ के घर पर आयकर छापे के दौरान प्राप्त की थी। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा द्वारा अक्सर डायरी'' का उल्लेख किया गया हालांकि इसकी 'सच्चाई या वास्तविकता' सामने नहीं आई है।

उद्घाटन

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने शनिवार को सिंधनूर में विभिन्न कार्यक्रमों का शुभारंभ किया । इस अवर पर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार भी उपस्थित रहे।

साठ लाख के ड्रग के साथ सात चोर गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां रेलवे पुलिस ने सात चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से 60 लाख रुपए मूल्य के मादक पदार्थ (ड्रग) बरामद किया है। पुलिस ने उड़ीसा मूल के नित्यानंद दास, त्रिपुरा के राजेश दास, बिहार के अमरजीत और उड़ीसा के निकेश राणा, जालंधर कनवर, बाईकूटा कनवर और सागर कनवर को गिरफ्तार किया है। यह लोग रेल के माध्यम से कोलकाता, उड़ीसा होते हुए यहां ड्रग लाते हैं।

अभी तक नहीं मिला राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का निमंत्रण : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोप्पल। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने शनिवार को कहा कि उन्हें 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण अभी तक नहीं मिला है और निमंत्रण मिलने के बाद वह इस पर विचार करेंगे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास ने इस भव्य समारोह के लिए देश की कई प्रतिष्ठित हस्तियों और राजनीतिज्ञों को आमंत्रित किया है।

जब यह पूछा गया कि क्या उन्हें अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का निमंत्रण मिला है तो सिद्दरामैया ने संवाददाताओं से कहा, ''अभी तक तो उन्हें निमंत्रण नहीं मिला। अगर निमंत्रण मिलता है तो मैं इस पर विचार करूंगा।''

कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा था कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होंगे या नहीं, इसका फैसला पार्टी उचित समय पर करेगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा था कि गांधी और खरगे को समारोह के लिए आमंत्रित किया गया है।

उन्होंने कहा था, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को राम मंदिर के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया है। उचित समय पर फैसला किया जाएगा और उचित समय पर जानकारी दी जाएगी।

अपार्टमेंट परिसर में लड़की की मौत का कारण पता लगाने में जुटी पुलिस, रिपोर्ट का इंतजार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पुलिस ने शनिवार को कहा कि उसने नौ वर्षीय लड़की की मौत के संबंध में सीसीटीवी फुटेज एकत्र करने के साथ गवाहों के बयान भी दर्ज कर लिए गये हैं। पुलिस ने कहा कि करंट लगने से उसकी मौत होने की अटकलों के बीच मृत्यु के सही कारण का पता लगाने के लिए पोस्टमॉर्टम और तकनीकी रिपोर्ट की प्रतीक्षा की जा रही है।

दो दिन पहले बेंगलुरु में वार्तुर-गुंजुर रोड पर स्थित प्रेस्टिज लेकसाइट हैबिटेट अपार्टमेंट' के परिसर में स्विमिंग पूल में रहस्यमयी अवस्था में नौ वर्षीय मान्या दमेरला का शव मिला था। लड़की इसी अपार्टमेंट में अपने माता-पिता के साथ रहती थी। अपार्टमेंट के निवासियों ने आरोप लगाया था कि लड़की स्विमिंग पूल के निकट खंभे से लटक रहे बिजली के तार की चपेट में आकर दुर्घटनावश पूल में गिर गई थी

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, पोस्टमार्टम किया गया और हम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। फॉरेंसिक विभाग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियर से रिपोर्ट मिलने के बाद हम मौत के सही कारण का पता लगा पाएंगे कि यह डूबने से हुई है या फिर करंट से। शरीर पर चोट के कोई स्पष्ट निशान नहीं थे, लेकिन चूंकि बिजली के झटके के आरोप हैं, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि हम इन दावों को सभी कोणों से सत्यापित करें। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल की है और जांच के तहत माता-पिता और गवाहों के साथ-साथ अपार्टमेंट के अन्य निवासियों के बयान भी दर्ज किए गये हैं। लड़की के पिता राजेश कुमार दमेरला डिजिटल सामग्री-निर्माण (कंटेंट क्रिएशन) मंच के संस्थापक मुख्य कार्यकारी अधिकारी और एक उद्यमी हैं। राजेश ने अपनी शिकायत में बेटी के बृहस्पतिवार शाम लगभग 7.30 बजे गलती से स्विमिंग पूल में गिरने पर संदेह जताया है। पुलिस ने बताया कि लड़की को नजदीकी अस्पताल में ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

प्रधानमंत्री ने दक्षिण भारत के लिए दो 'वंदे भारत' रेल को हरी झंडी दिखा रवाना किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु/कोयंबटूर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जिन छह वंदे भारत एक्सप्रेस रेल को हरी झंड़ी दिखा उनकी शुरुआत की, उनमें दक्षिण भारत के लिए दो ट्रेन शामिल हैं। ये मंगलूरु और मडगांव तथा कोयंबटूर जंक्शन-बेंगलूरु छावनी के बीच चलेंगी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने महर्षि वाल्मिकी हवाई अड्डे और पुनर्विकसित अयोध्या रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया, जहां से उन्होंने दो अमृत भारत और छह वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई, जिनमें से कुछ का उद्घाटन आनलाइन माध्यम से किया गया।

इस अवसर पर मंगलूरु में केंद्रीय रेलवे स्टेशन पर चौथे और पांचवें प्लेटफॉर्म का उद्घाटन भी हुआ। मंगलूरु में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, दक्षिण कन्नड़ सांसद नलिन कुमार कटील ने कहा कि विशेष ट्रेन विभिन्न राज्यों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि यात्रियों की लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करते हुए दो नए प्लेटफॉर्म का निर्माण किया गया है।

कटील ने कहा कि मंगलूरु-बेंगलूरु मार्ग के विद्युतीकरण के पूरा होने के साथ, राजधानी शहर से संपर्क और बेहतर होगा। अस्थायी कार्यक्रम के अनुसार, वंदे भारत एक्सप्रेस सुबह 8.30 बजे मंगलूरु सेंट्रल से रवाना होगी और दोपहर 1.05 बजे गोवा के मडगांव पहुंचेगी। यही ट्रेन शाम 6.10 बजे मडगांव से रवाना होगी और रात 10.45 बजे मंगलूरु सेंट्रल पहुंचेगी। ट्रेन रात के दौरान मंगलूरु सेंट्रल में नवीनीकृत पिट लाइन पर रुकेगी।

प्रधान मंत्री ने मंगलूरु सेंट्रल-मडगांव वंदे भारत एक्सप्रेस की उद्घाटन विशेष सेवा को हरी झंडी दिखाई। मंगलुरु सेंट्रल में एक औपचारिक समारोह आयोजित किया गया जिसमें माननीय सांसद नलिन कुमार कटील और डॉ. डी. वीरेंद्र हेगड़े, विधायक डी. वेदव्यास कामथ और भरत शेट्टी, एमएलसी प्रताप सिम्हा नायक के और मंगलूरु के मेयर सुधीर शेट्टी कन्नूर ने भाग लिया।

अयोध्या से दो अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। अमृत भारत ट्रेनें बिहार के दरभंगा और दिल्ली के आनंद विहार से अयोध्या, पश्चिम बंगाल के मालदा टाउन और बेंगलूरु के सर एम विश्वेश्वरैया टर्मिनस (एसएमवीटी) के बीच चलेंगी।

मालदा टाउन-एसएमवीटी बेंगलूरु के बीच उद्घाटन विशेष सेवा का कटपाडी (1 जनवरी 2023 को लगभग 15.35 बजे) और जोलारपेट्टई (1 जनवरी 2023 को लगभग 17.40 बजे) के दक्षिणी रेलवे स्टेशनों पर पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया जाएगा। जन प्रतिनिधि रेल उपयोगकर्ताओं, स्कूल/कॉलेज के छात्रों और आम जनता को सभी मार्ग स्टेशनों पर उद्घाटन विशेष नई अमृत भारत ट्रेनों का गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

विशेष अदालत ने चेक बाउंस मामले में कर्नाटक के मंत्री को दोषी ठहराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक की एक विशेष अदालत ने चेक बाउंस मामले में राज्य के मंत्री मधु बंगारप्पा और एक अन्य व्यक्ति को दोषी ठहराया है। अदालत ने बंगारप्पा जो आरोपी नंबर दो है, को शिकायतकर्ता राजेश एक्सपोर्ट्स को 6.96 करोड़ रुपये की जुर्माना राशि का भुगतान करने और शेष 10,000 रुपये राज्य को देने का निर्देश दिया है।

मंत्री आकाश ऑडियो-वीडियो प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक हैं, भुगतान करने में विफल रहते हैं, तो उन्हें छह महीने के साधारण कारावास की सजा भुगतनी होगी।

एक्सएलआईआई के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट न्यायाधीश जे प्रीथ ने कहा 'आरोपी नंबर एक और दो को दंडनीय अपराध के लिए दोषी ठहराया जाता है और डिफ़ॉल्ट रूप से 6,96,70,000/- रुपये का जुर्माना भरने की सजा सुनाई जाती है। आरोपी नंबर दो को छह महीने के लिए साधारण कारावास की सजा भुगतनी होगी।' मामले में मुख्य आरोपी आकाश ऑडियो-वीडियो है। अदालत ने श्री बंगारप्पा पर कार्रवाई को लंबा खींचने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया।

शिकायतकर्ता के मुताबिक, राजेश एक्सपोर्ट्स ने आकाश ऑडियो-वीडियो को छह करोड़ रुपये का इंटर-कॉर्पोरेट लोन दिया था। श्री बंगारप्पा ने 6.6 करोड़ रुपये का चेक जारी किया, लेकिन 27 नवंबर 2011 को यह चेक बाउंस हो गया। इसके बाद राजेश एक्सपोर्ट्स ने 2012 में 6.6 करोड़ रुपये के चेक के पुनर्भुगतान और मुआवजे की मांग करते हुए अदालत का रुख किया।

मामला 2022 में विशेष अदालत में स्थानांतरित कर दिया गया। इसके बाद बंगारप्पा ने याचिका को रद्द करने के लिए कर्नाटक उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। हालाँकि, उच्च न्यायालय ने 2022 में श्री बंगारप्पा की याचिका खारिज कर दी क्योंकि वह पूरा भुगतान करने में विफल रहे। इसके बजाय, जब न्यायालय में मामले की सुनवाई चल रही थी, तब मंत्री ने केवल 50 लाख रुपये का आंशिक भुगतान किया था।

नशे में धुत इंजीनियर की 33वीं मंजिल से गिरकर मौत

बेंगलूरु। यहां शनिवार को एक निजी कंपनी में काम करने वाले इंजीनियर की नशे की हालत में 33वीं मंजिल की बालकनी से गिरकर मौत हो गई। मृतक की पहचान दीपांशु धर्मा के रूप में हुई है। घटना शुक्रवार सुबह के.आर. पुरम पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई।

पुलिस के मुताबिक, दीपांशु गुरुवार रात एक पार्टी में शामिल हुआ और दोस्तों के साथ शराब पी। वह अपने अपार्टमेंट में वापस आया और बालकनी में घुस गया। संतुलन बिगड़ने से वह बालकनी से गिर गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। के.आर. पुरम पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। मामले को लेकर अभी और जानकारी सामने आना बाकी है।

कोरोमंडल इंटरनेशनल इंडिया द्वारा एन्नोर में अमोनिया रिसाव के किए पूरे उपाय

चेन्नई। कोरोमंडल इंटरनेशनल इंडिया द्वारा हाल ही एन्नोर में हुए अमोनिया रिसाव के बाद विनिर्माण इकाई द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किया गए है जिससे आस पास रहने वाले रहवासियों को कोई असुविधा न हो।

कोरोमंडल इंटरनेशनल इंडिया द्वारा प्राप्त एक विज्ञप्ति में बताया गया है की जिन लोगो को अमोनिया रिसाव से समस्या हुई थी उनको तत्काल पास के अस्पतालों में ले जाया गया था उचित उपचार के उपरांत उन्हें अब अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और वे किसी भी खतरे में नहीं हैं।

चुनाव के लिए भाजपा-जद(एस) में सीट बंटवारे पर कुमारस्वामी ने कहा-संक्रांति के बाद खुशखबरी मिलेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनता दल (एस) के प्रदेश अध्यक्ष एच डी कुमारस्वामी ने शनिवार को कहा कि वह लोकसभा चुनाव के लिए कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ सीट बंटवारे के समझौते के बारे में संक्रांति के बाद ''खुशखबरी'' देंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी दोहराया कि जद(एस) कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगा, यह उनके या उनकी पार्टी के लिए महत्वपूर्ण नहीं है क्योंकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का लक्ष्य राज्य की सभी 28 लोकसभा सीटें जीतना है। कुमारस्वामी ने जद(एस) के संरक्षक एच डी देवेगौड़ा के साथ हाल में नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी। कुमारस्वामी ने भाजपा के साथ सीट बंटवारे पर एक सवाल के जवाब में कहा, संक्रांति (14 जनवरी) के बाद मैं आपको खुशखबरी दूंगा। कोई मुद्दा नहीं है।

यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या से अधिक, हमारी मंशा यह है कि राजग के घटक भाजपा और जद (एस) राज्य की सभी 28 लोकसभा सीटें जीतें। उन्होंने कहा, सटीक सर्वेक्षण रिपोर्ट के आधार पर चीजें तय की जाएंगी...सर्वेक्षण

रिपोर्ट के आधार पर दिल्ली में चीजों पर चर्चा की जाएगी और निर्णय लिया जाएगा।

राष्ट्रीय राजधानी में कुमारस्वामी की गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के साथ बैठक के बाद सितंबर में जद(एस) भाजपा के नेतृत्व वाले राजग में शामिल हो गया। यह पूछे जाने पर कि क्या उन पर तुमकुरु से लोकसभा चुनाव लड़ने का दबाव है, कुमारस्वामी ने कहा कि मीडिया के मित्रों सहित कई लोग उन्हें कुछ सुझाव दे रहे हैं। उन्होंने कहा, उचित समय पर, मैं तय करूंगा कि उन सुझावों को कैसे लेना है। राष्ट्रीय राजनीति में जाने के सवाल पर कुमारस्वामी ने कहा, ऐसा कुछ नहीं है, मुझे राज्य में बहुत काम करना है, क्योंकि राज्य में लोगों को कई मुद्दों का सामना करना पड़ रहा है..।

कुमारस्वामी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को विपक्षी गठबंधन इंडिया' का प्रधानमंत्री पद का चेहरा बनाने के प्रस्ताव का समर्थन नहीं करने के लिए मुख्यमंत्री सिद्दरामैया पर भी निशाना साधा। कुमारस्वामी ने कहा, वह (खरगे) प्रधानमंत्री बनेंगे या नहीं, यह अलग बात है। कम से कम कुछ अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा, लेकिन आपने (सिद्दरामैया) कहा कि राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना चाहिए...क्या दलित समुदाय को अब भी ऐसे नेता (सिद्दरामैया) पर विश्वास है, मैं फैसला उन पर छोड़ता हूं।

सिद्दरामैया ने बृहस्पतिवार को कहा कि राहुल गांधी को देश का प्रधानमंत्री होना चाहिए। उनका बयान ऐसे वक्त आया है जब इंडिया' गठबंधन में शामिल दलों के कुछ नेताओं ने 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए मल्लिकार्जुन खरगे को गठबंधन का प्रधानमंत्री पद का चेहरा बनाने की वकालत की है। कुमारस्वामी ने कहा कि कोई कन्नड़वासी प्रधानमंत्री बनता है तो उन्हें खुशी होगी। उन्होंने कहा, ...लेकिन, हर कोई जानता है कि कांग्रेस और उसके गठबंधन सहयोगियों की स्थिति क्या है।''

छात्र के साथ रोमांटिक फोटोशूट के आरोप में प्रधानाध्यापिका निलंबित

चिक्कबल्लापुर/दक्षिण भारत । कर्नाटक शिक्षा विभाग ने छात्रों के टूर के दौरान 10वीं कक्षा के एक छात्र के साथ रोमांटिक फोटोशूट कराने वाली एक सरकारी स्कूल की प्रधानाध्यापिका को शुक्रवार को निलंबित कर दिया।

चिक्कबल्लापुर जिले के चिंतामणि तालुक में अभिभावकों की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए ब्लॉक शिक्षा अधिकारी वी. उमादेवी ने जांच के लिए स्कूल का दौरा किया। जानकारी और बयान इकट्ठा करने के बाद उन्होंने एक रिपोर्ट सौंपी थी, जिसके आधार पर पब्लिक इंस्ट्रक्शन के उप निदेशक बैलाजिनप्पा ने निलंबन आदेश जारी किया। सूत्रों ने कहा कि प्रधानाध्यापिका ने दावा किया कि उसका छात्र के साथ मां-बेटे का रिश्ता था। छात्र और शिक्षक दोनों ने दावा किया था कि तस्वीरें निजी थीं, लेकिन लीक हो गईं, जिससे एक बड़ा विवाद पैदा हो गया।एक दौरे के दौरान रोमांटिक फोटो शूट में शामिल होने के लिए अभिभावकों ने प्रधानाध्यापिका के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी, इसका वीडियो गुरुवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे विभिन्न लोगों और अभिभावकों में आक्रोश फैल गया, जिन्होंने इस तरह के अनुचित व्यवहार में शामिल होने के लिए उसकी आलोचना की।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने राज्यपाल रवि के साथ 'सौहार्दपूर्ण' बैठक की

चेन्नई/दक्षिण भारत । तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने शनिवार को यहां राजभवन में राज्यपाल आर. एन. रवि के साथ सौहार्दपूर्ण' बैठक की और राज्य विधानसभा की ओर से पारित लंबित विधेयकों के बारे में चर्चा की। उच्चतम न्यायालय ने राज्यपाल रवि को हाल में सुझाव दिया था कि मुख्यमंत्री स्टालिन के साथ बैठक कर गतिरोध को सुलझाएं।

राज्य के कानून मंत्री एस. रघुपति ने कहा, बैठक सौहार्दपूर्ण रही और राज्यपाल 10 में से नौ विधेयकों को स्वीकृति के लिए राष्ट्रपति के पास भेजने पर सहमत हुए हैं। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा कि लंबित विधेयकों के अलावा, सरकार ने अन्नाद्रमुक के दो पूर्व मंत्रियों पर मुकदमा चलाने और पूर्व मुख्यमंत्री सी. एन. अन्नादुरई की जयंती पर 112 कैदियों को रिहा करने की भी मांग की। राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और रवि के बीच कई मुद्दों पर गतिरोध बना हुआ है। विधेयकों पर कार्यवाही में कथित देरी को लेकर राज्यपाल के खिलाफ राज्य सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए उच्चतम न्यायालय ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि राज्य विधानसभा द्वारा पारित और पुन: अपनाए गए विधेयकों को राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए नहीं भेजा जा सकता। न्यायालय ने राज्यपाल रवि को मुख्यमंत्री स्टालिन के साथ बैठक कर 10 लंबित विधेयकों पर बने गतिरोध को सुलझाने का सुझाव दिया था। राजभवन पहुंचने पर राज्यपाल ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया और दोनों ने एक-दूसरे को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

शुभारंभ

बेंगलूरु के जयनगर के चौथा ब्लॉक में शुद्ध शाकाहारी 'अनंत रेस्तरां' का शुभारंभ जयनगर के विधायक सीके राममूर्ति ने किया। यहां शुद्ध शाकाहारी दक्षिण भारतीय व्यंजन के साथ दिल्ली की प्रसिद्ध चाट आदि के काउन्टर भी होंगे।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने बारिश प्रभावित जिलों के लिए 1,000 करोड़ रुपये के राहत पैकेज की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने राज्य में बारिश से प्रभावित जिलों के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) तथा स्वयं सहायता समूहों के वास्ते आवास सुविधाओं और ऋण सहित 1,000 करोड़ रुपये के राहत पैकेज की शनिवार को घोषणा की। तूत्तुक्कुडि और तिरुनेलवेली जिलों में बारिश के कारण हुए नुकसान के आकलन के बाद मुख्यमंत्री ने यहां वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की और बाढ़ से प्रभावित विभिन्न वर्गों के लिए आवश्यक मदद पर चर्चा की।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि तिरुनेलवेली और तूत्तुक्कुडि जिलों में आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकानों की मरम्मत और पूरी तरह से क्षतिग्रस्त मकानों का पुनर्निर्माण कराया जाये।

ग्रामीण विकास विभाग तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेंगलपट्टु जिलों में इस योजना को लागू करेगा।'' विज्ञप्ति के अनुसार, कुल 385 करोड़ रुपये की लागत से 4,577 नए मकानों का निर्माण किया जाएगा और 9,975 आवासों की मरम्मत की जाएगी। इसका पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। स्टालिन ने तूत्तुक्कुडि और तिरुनेलवेली जिले में 17 और 18 दिसंबर को हुई मूसलाधार बारिश के कारण पैदा हालातों का दौरा करने के दौरान प्रभावित लोगों को सांत्वना दी और उन्हें उचित सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने घोषणा की कि 2.64 लाख हेक्टेयर में क्षेत्र में बर्बाद हुई फसल की भरपाई के लिए आठ जिलों के किसानों को 250 करोड़ रुपये की राहत दी जाएगी। तूत्तुक्कुडि और तिरुनेलवेली जिलों में भीषण बाढ़ के कारण कृषि भूमि पर जमा हुई गाद को कृषि इंजीनियरिंग इकाई द्वारा निशुल्क हटाया जाएगा और भूमि को खेती योग्य बनाया जाएगा। विज्ञप्ति में कहा गया कि चेन्नई, तूत्तुक्कुडि और तिरुनेलवेली जिलों में भारी बारिश के कारण नुकसान झेलने वाले छोटे व्यापारियों और विक्रेताओं को चार प्रतिशत ब्याज दर पर 10,000 रुपये और छह प्रतिशत ब्याज दर पर एक लाख रुपये तक का विशेष ऋण प्रदान किया जाएगा। इसके लिए जल्द ही दिशानिर्देश जारी किये जायेंगे।

सुविचार

जिंदगी को खुश रहकर जियो, क्योंकि रोज शाम सिर्फ सूरज ही नहीं ढलता, आपकी अनमोल जिन्दगी भी ढलती है।

ट्वीट

आज मुझे अयोध्या धाम एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन का लोकार्पण करने का सौभाग्य मिला है। मुझे खुशी है कि अयोध्या एयरपोर्ट का नाम महर्षि वाल्मीकि के नाम पर रखा गया है। महर्षि वाल्मीकि ने हमें रामायण के माध्यम से प्रभु श्रीराम के कृतित्व से परिचित करवाया।

-नरेन्द्र मोदी

संसदीय क्षेत्र बूंदी के ग्रा.प. आजंदा में विकसित भारत संकल्प यात्रा में सम्मिलित हुआ। केंद्र सरकार ने हर वर्ग को आत्मनिर्भर बनाने के लिए योजनाएं संचालित की हैं। आमजन का आह्वान किया कि वे इन योजनाओं से लाभान्वित होकर विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में अपना योगदान दें।

-ओम बिरला

कहानी

एक थी गौरा

अमरकांत

लंबे कद और डबलंग चेहरे वाले चाचा रामशरण के लाख विरोध के बावजूद आशू का विवाह वहीं हुआ। उन्होंने तो बहुत पहले ही ऐलान कर दिया था कि 'लड़की बड़ी बेहया है।'

आशू एक व्यवहार-कुशल आदर्शवादी नौजवान है, जिस पर मार्क्स और गाँधी दोनों का गहरा प्रभाव है। वह स्वभाव से शर्मीला या संकोची भी है। वह संकुचित विशेष रूप से इसलिए भी था कि सुहागरात का वह कक्ष फिल्मों में दिखाए जाने वाले दृश्य के विपरीत एक छोटी अँधेरी कोठरी में था, जिसमें एक मामूली जंगला था और मच्छरों की भन-भन के बीच मोटे-मोटे चूहे दौड़ लगा रहे थे।

लेकिन आशू की समस्या इस तरह दूर हुई कि उसके अंदर पहुँचते ही गौरा नाम की दुल्हन ने घूँघट उठा कर कहा, लीजिए मैं आ गई। आप जहाँ रहते, मैं वहीं पहुँच जाती। अगर आप कॉलेज में पढ़ते होते और मैं भी उसी कॉलेज में पढ़ती होती तो मैं जरूर आपके प्रेम बंधन में बँध गई होती। आप अगर इंग्लैंड में पैदा होते तो मैं भी वहाँ जरूर किसी-न-किसी तरह पहुँच जाती। मेरा जन्म तो आपके लिए ही हुआ है।

कोई चूहा कहीं से कूदा, खड़-खड़ की अवाज हुई और उसके कथन में भी व्यवधान पड़ा। वह फिर बोलने लगी, 'मेरे बाबूजी बड़े सीधे-सादे हैं। इतने सीधे हैं कि भूख लगने पर भी किसी से खाना न माँगें। इसलिए जब वह खाने के पीढ़े पर बैठते हैं तो अम्मा कहीं भी हों, दौड़ कर चली आती हैं। वह जिद करके उन्हें ठूँस-ठूँस कर खिलाती हैं, उनकी कमर की धोती ढीली कर देती हैं ताकि वह पूरी खुराक ले सकें। हमारे बाबूजी ने बहुत सहा है। लेकिन हमारी अम्मा भी बड़ी हिम्मती हैं।' वह चुप हो गई। उसे संदेह हुआ था कि आशू उसकी बात ध्यान से नहीं सुन रहा है। पर ऐसी बात नहीं थी। वस्तुतः आशू को समझ में नहीं आ रहा था कि वह क्या कहे। फिर उसकी बातें भी दिलचस्प थीं।

उसका कथन जारी था, बाबूजी असिस्टेंट स्टेशन मास्टर थे। बड़े बाबू दिन में ड्यूटी करते थे और हमारे बाबूजी रात में। एक बार बाबूजी को नींद आ गई। प्लेटफार्म पर गाड़ी आकर खड़ी हो गई। गाड़ी की लगातार सीटी से बाबूजी की नींद खुली। गार्ड अंग्रेज था, बाबूजी ने बहुत माफी माँगी, पर वह नहीं माना। यह डिसमिस कर दिए गए। नौकरी छूट गई, गाँव में आ गए। खेती-बारी बहुत कम होने से दिक्कत होने लगी। बाबूजी ने अपने छोटे भाई के पास लिखा मदद के लिए तो उन्होंने कुछ फटे कपड़े बच्चों के लिए भेज दिए। यह व्यवहार देखकर बाबूजी रोने लगे।

इतना कहकर वह अँधेरे में देखने लगी। आशू भी उसे आँखें फाड़कर देख रहा था। यह क्या कह रही है? और क्यों? क्या यह दुख-कष्ट बयान करने का मौका है! न शर्म और संकोच, लगातार बोले जा रही है! उसने आगे कहना शुरू किया, 'लेकिन मैंने बताया था न, मेरी माँ बड़ी हिम्मती थी। एक दिन वह भैया लोगों को लेकर सबसे बड़े अफसर के यहाँ पहुँच गई। भैया लोग छोटे थे। वह उस समय गई जब अफसर की अंग्रेज औरत बाहर बरामदे में बैठी थी। अम्मा का विश्वास था कि औरत ही औरत का दर्द समझ सकती है। अफसर की औरत मना करती रही, कुत्ते भी दौड़ाए पर अम्मा नहीं मानी और दुखड़ा सुनाया। अंग्रेज अफसर की पत्नी ने ध्यान से सब कुछ सुना। फिर बोली, 'जाओ हो जाएगा।' अम्मा गाँव चली आई। कुछ दिन बाद बाबूजी को नौकरी पर बहाल होने का तार भी मिल गया। तार मिलते ही बाबूजी नौकरी जॉइन करने के लिए चल पड़े। पानी पीट रहा था पर वह नहीं माने, बारिश में भीगते ही स्टेशन के लिए चल पड़े। उनकी रुहेलखंड रेलवे में नियुक्ति हो गई। बनबसा, बरेली, हलद्वानी, काठगोदाम, लालकुआँ। हम लोग कई बार पहाड़ों पर पैदल ही चढ़कर गए हैं। भीमताल की चढ़ाई, राजा झींद की कोठी। उधर के स्टेशन क्वार्टरों की ऊँची-ऊँची दीवारें। शेर-बाघ, जंगली जानवरों का हमेशा खतरा रहता है। एक बार हम लोग जाड़े में आग ताप रहे थे तो एक बाघ ने हमला किया, लेकिन आग की वजह से हम लोग बाल-बाल बच गए। वह इस पार से उस पार कूद कर भाग गया।' वह रुक कर आशू को देखने लगी। फिर बोली, 'मैं तभी से बोले जा रही हूँ... आप भी कुछ कहिए...।' आशू सकपका गया फिर धीमे से संकोचपूर्वक बोला, 'मैं... मेरे पास कहने को कुछ खास नहीं है। हाँ, मैं लेखक बनना चाहता हूँ... मैं लोगों के दुख-दर्द की कहानी लिखना चाहता हूँ, लेकिन मेरे अंदर आत्मविश्वास की कमी है। पता नहीं, मैं लिख पाऊँगा कि नहीं...।' क्यों नहीं लिख पाएँगे? जरूर लिखेंगे। मेरी वजह से आपके काम में कोई रुकावट न होगी। मुझसे जो भी मदद होगी, हो सकेगी, मैं जरूर दूँगी... आप निश्चिंत रहिए। मेरे भैया ने कहा है कि 'तुम्हें अपने पति की हर मदद करनी होगी... जिससे वह अपने रास्ते पर आगे बढ़ सकें...।' मुझे अपने लिए कुछ नहीं चाहिए... आप जो खिलाएँगे और जो पहनाएँगे, वह मेरे लिए स्वादिष्ट और मूल्यवान होगा। आप बेफिक्र होकर लिखिए, पढ़िए... आपको निरंतर मेरा सहयोग प्राप्त होगा...।' उसकी आँखें भारी हो रही थीं और अचानक वह नींद के आगोश में चली गई। आशू कुछ देर तक उसके मुखमंडल को देखता रहा। वह सोचने लगा कि गौरा नाम की इस लड़की के साथ उसका जीवन कैसे बीतेगा... लेकिन लाख कोशिश करने पर भी वह सोच नहीं पाया। वह अँधेरे में देखने लगा।

विशेष

नये वर्ष से रामराज्य की सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

एक युगांतरकारी घटना के तहत भगवान श्रीराम पांच सौ वर्षों के बाद टेंट से मन्दिर में स्थापित होंगे। अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी श्रीराम मन्दिर का उद्घाटन 22 जनवरी, 2024 को करेंगे, निश्चित ही नये वर्ष से जन-जन को रामराज्य की सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी, भारत एक नये युग में प्रवेश करेगा। जितनी आस्था एवं भक्ति से जन-जन ने श्रीराम के प्रति भक्ति एवं आस्था व्यक्त की है, उतनी ही आस्था एवं संकल्प से अब हर व्यक्ति श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारे एवं स्वयं को श्रीराममय बनाये। श्रीराम बनने की तैयारी करें। अब पुनर्जन्म श्रीराम का ही नहीं, हमारा भी हो। हमारे इर्द-गिर्द श्रीराम की बहुत-सी श्रेष्ठताएं हैं, जो हमें महानता तक ले जाती है और जीवन-मूल्यों की प्रतिष्ठा करती हैं।

नया वर्ष भारत के लिये वास्तविक रूप में रामराज्य की स्थापना का ऐतिहासिक वर्ष होगा। श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम' कहा गया है अर्थात पुरुषों में सबसे श्रेष्ठ उत्तम पुरुष। आज की जटिल, समस्याग्रस्त एवं अनैतिक स्थितियों के समाधान के लिये अपेक्षा है कि हर व्यक्ति श्रीराम बने, उत्तम पुरुष बने। हर व्यक्ति के सामने एक विचारणीय एवं बड़ा प्रश्न है कि वह आज का राम कैसे बने? राम वही बन सकता है जिसने स्वयं को पाने के लिये सकारात्मक यात्रा प्रारंभ की है, जिसमें लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पण है। जिसमें कष्टों को सहने की सहिष्णुता और धैर्य है, प्रतिकूलताओं एवं कष्टों के बीच सुख और श्रेयस खोज लेने की प्रकृति है। शब्दों के कोलाहल में मौन रहने का संकल्प है। जो पुरुषार्थ से अपना भाग्य बदलना जानता है। जिसमें प्राणीमात्र के प्रति प्रेम, करूणा एवं मैत्री का भाव है। जो अपने विरोधी या शत्रु से भी सीखने को वरीयता दे। जिसका जीवन सादगी एवं संयम का प्रेरक हो। जो बुराइयों एवं अत्याचार के खिलाफ मोर्चा लेने को तत्पर हो। उन्नत एवं आदर्श समाज एवं राष्ट्र रचना जिसका जीवन-सपना हो। जो स्व और पर के अभ्युदय के लिये तत्पर हो। श्रीराम के इन गुणों को अपनाते हुए हर व्यक्ति राम बनने की ओर प्रस्थान कर सकता है।

प्रभु श्रीराम के व्यक्तित्व में विलक्षण संतुलन मिलता है। शांत-गंभीर और सौम्य श्रीराम ने कभी अपना संतुलन नहीं खोया। उन्होंने कभी परिस्थिति को अपने ऊपर हावी होने नहीं दिया बल्कि हर परिस्थति में दृढ़ता बनाए रखना ही उनका स्वभाव है। आज के मुश्किल समय में हमें यही सीखना है। अनिश्चितता और संशय भरे समय में जब हर कोई टूटा हुआ, भंवर में पड़ा महसूस कर रहा है, श्रीराम की कर्तव्य पथ पर डटे रहने की प्रेरणा काम आ सकती है। मैं तो कहूंगा यदि हम प्रभु श्रीराम के व्यक्तित्व का कुछ अंश भी, उनसे कुछ बूंद भी ग्रहण कर सकें, तो निश्चित ही अपने व्यक्तित्व और जीवन में बदलाव महसूस कर सकते हैं। ऐसा करते हुए हम व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक, राष्ट्रीय एवं वैश्विक जीवन को उन्नत एवं आदर्शमय बना सकते हैं।

आज प्रभु श्रीराम के पुनर्जन्म से ज्यादा जरूरी है, अब हमारा पुनर्जन्म हो। हम श्रीराम के व्यक्तित्व से सीखें, उनके जीवन-आदर्शों पर अपने जीवन को ढ़ाले, जैसे श्रीराम अपने वचन के पक्के थे और इसके लिए बड़े से बड़ा त्याग किया। हमें भी वचनबद्ध होने की साधना करनी चाहिए। श्रीराम को खुद पर भरोसा था और उन्होंने साथ रहने वाले लोगों में भी भरोसा जगाया, हमें भी अपना भरोसा जगाना चाहिए। आगे बढने के लिए दृढ़ संकल्प काफी है। इसके बाद साधन की कमी राह में रोड़ा नहीं बनती। चाहे सेना कम हो या सुविधाओं का अभाव, श्रीराम ने रावण पर अपने दृढ़ संकल्प की बदौलत ही जीत हासिल की। अपनी संकल्प शक्ति से प्रभु श्रीराम की तरह व्यक्ति महानता के उस शिखर को भी छू सकता है, जहां देवता भी नहीं पहुंच पाए थे। एक युवा मन ने वन-गमन के फैसले को सहर्ष स्वीकार किया। तनिक भी विचलित नहीं हुए, बल्कि उस समय विलाप कर रहे मां, भाई और समाज के लोगों में भी अपने निर्णय पर अटल रहने की प्रेरणा जगा दी। उद्देश्य को लेकर स्पष्ट होना जरूरी है, आपका लक्ष्य क्या है, यह पता होना चाहिए। भाषा-विवेक जरूरी है। अनुचित भाषा का प्रयोग प्रभु श्रीराम ने कभी नहीं किया। हर किसी का स्वागत मुस्कुरा कर करते और उसे तुरंत अपना बना लेते। कभी यह नहीं याद रखा कि औरों ने उनके साथ क्या और कैसा व्यवहार किया, सबके प्रति प्रेम भाव रखा और कर्म पथ पर अडिग रहे। दृष्टि संकुचित नहीं, बल्कि इसमें अथाह विस्तार था। वह परिवार केंद्रित नहीं रहा, बल्कि समस्त मानव जाति के प्रति प्रेम ही था उनका संदेश। अपनी महानता के बारे में कभी विचार नहीं किया, न इसका एहसास कराने की जरूरत समझी। जमीनी बने रहे। सांसारिक जीवन में आगे बढ़ने, नाम कमाने यानी ख्याति, यश, कीर्ति के लिए सद्गुणों और अच्छे कामों की बड़ी भूमिका होती है, क्योंकि गुण ही किसी भी इंसान को असाधारण और विलक्षण प्रतिभा का स्वामी बना देते हैं। इंसान को अपने जीवन में सफल होने के लिए किन खास गुणों पर ध्यान देना चाहिए ये रामजी के चरित्र के माध्यम से बताया गया है। उन्होंने मानवीय रूप में जन-जन का भरोसा और विश्वास अपने आचरण और असाधारण गुणों से ही पाया। उनकी चरित्र की खास खूबियों से ही वह न केवल लोकनायक बने, बल्कि युगान्तर में भी भगवान के रूप में पूजित हुए।

हम राम तो बनना चाहते हैं पर श्रीराम के जीवन आदर्शों को अपनाना नहीं चाहते, यह एक बड़ा विरोधाभास है। अजीब है कि जो हमारे जन-जन के नायक हैं, जिन प्रभु श्रीराम को अपनी सांसों में बसाया है, जिनमें इतनी आस्था है, जिनका पूजा करते हैं, हम उन व्यक्तित्व से मिली सीख को अपने जीवन में नहीं उतार पाते। जरा सोचिए क्या न्याय पाने के लिए कानून को तोड़ा जा सकता है? प्रभु श्रीराम ने तो न्याय के लिए बड़े से बड़ा त्याग किया। अपने-पराए किसी भी चीज की परवाह नहीं की। न्याय के लिए नियमों को सर्वोपरि रखा और मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए! पर हमने यह नहीं सीखा और न्याय के नाम पर नियमों को तोड़ना आम बात हो गई है। संयमित रहना है और नियमों का पालन करना चाहिए, इस बात को लोग गंभीरता से नहीं लेते। आज का इंसान छोटी-छोटी बातों से, संकटों से विचलित हो जाता है। श्रीराम भी विचलित हुए जब लंका नरेश रावण द्वारा माता सीता का हरण कर लिया गया। श्रीराम का विचलन माता सीता को जल्दी से जल्दी रावण से मुक्त कराने को लेकर था, उनके मार्ग में जो सबसे बड़ी बाधा थी वह समुद्र था। इसे पार करने की चुनौती सबको परेशान कर रही थी।

श्री लक्ष्मण चाहते थे कि समुद्र सुखाकर आगे बढ़ा जाए लेकिन प्रभु श्रीराम को यह मंजूर नहीं था। उन्होंने समुद्र से मार्ग दिखाने की विनम्र प्रार्थना की और अंततः समुद्र ने मार्ग बताया। जीवन में ऐसी परिस्थितियां आती रहती हैं। पर प्रभु की तरह यदि मुश्किल समय में हम संयम एवं विनम्रता बरतें तो आगे बढ़ने की राह जरूर मिल जाती है। श्रीराम ने सिखाया कि उतार-चढ़ाव तो जीवन का अंग है। दुख किसने नहीं सहा और किसे नहीं होगा, पर यदि संकल्प मजबूत रहे और संकट काल में संयम बनाए रखें तो हम बड़े से बड़े तूफान, झंझावात का सामना कर सकते हैं। हमें कठिनाइयों में भी अपनी नैतिक मर्यादाओं को नहीं खोना चाहिए। तमाम उतार-चढ़ाव में भी अपने पथ पर आगे बढ़ना ही श्रेष्ठ है, न कि बुराई के आगे समर्पण कर देना। प्रभु श्रीराम ने मर्यादा का जीवन जीकर जन-जन के लिये प्रेरणा बने। पर आज के मनुष्य ने अपने स्वार्थ के वशीभूत होकर प्रकृति, पदार्थ, प्राणी और पर्यावरण के सह-अस्तित्व को नकार दिया। हम अपने वैयक्तिक विचारों के आग्रह में बंधकर रह गये, हमने वैभव और विलासिता की दीवारों को ऊंची करने में जीवन खपा दिया। श्रीराम ने समता से जीने की सीख दी, पर हमने अनुकूलता-प्रतिकूलता के बीच संतुलन-धैर्य रखना भूल गये। श्रीराम ने अभय और मैत्री का सुरक्षा कवच पहनाया, हम प्रतिशोध और प्रतिस्पर्धा को ही राजमाग समझ बैठे। मेरा ईश्वर में ही हूं, मेरा राम मैं ही हूं-यह समझ तभी फलवान बन सकती है, जब व्यक्ति स्वयं श्रीराम को जीए और श्रीराम को जीने का तात्पर्य होगा-स्वयं का पुनर्जन्म।

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

भोर भई

मैं फुटपाथ पर चल रहा हूँ। बाईं ओर फुटपाथ के साथ-साथ महाविद्यालय की दीवार चल रही है तो दाहिनी ओर सड़क सरपट दौड़ रही है। महाविद्यालय की सीमा में लम्बे-बड़े वृक्ष हैं। कुछ वृक्षों का एक हिस्सा दीवार फांदकर फुटपाथ के ऊपर भी आ रहा है। परहित का विचार करनेवाले यों भी सीमाओं में बंधकर कब अपना काम करते हैं!

अपने विचारों में खोया चला जा रहा हूँ। अकस्मात देखता हूँ कि आँख से लगभग दस फीट आगे, सिर पर छाया करते किसी वृक्ष का एक पत्ता झर रहा है। सड़क पर धूप है जबकि फुटपाथ पर छाया। झरता हुआ पत्ता किसी दक्ष नृत्यांगना के पदलालित्य-सा थिरकता हुआ नीचे आ रहा है। आश्चर्य! वह अकेला नहीं है। उसकी छाया भी उसके साथ निरंतर नृत्य करती उतर रही है। एक लय, एक ताल, एक यति के साथ दो की गति। जीवन में पहली बार प्रत्यक्ष और परोक्ष दोनों सामने हैं। गंतव्य तो निश्चित है पर पल-पल बदलता मार्ग अनिश्चितता उत्पन्न रहा है। संत कबीर ने लिखा है, 'जैसे पात गिरे तरुवर के, मिलना बहुत दुहेला। न जानूँ किधर गिरेगा,लग्या पवन का रेला।'

इहलोक के रेले में आत्मा और देह का संबंध भी प्रत्यक्ष और परोक्ष जैसा ही है। विज्ञान कहता है, जो दिख रहा है, वही घट रहा है। ज्ञान कहता है, दृष्टि सम्यक हो तो जो घटता है, वही दिखता है। देखता हूँ कि पत्ते से पहले उसकी छाया ओझल हो गई है। पत्ता अब धूल में पड़ा, धूल हो रहा है।

अगले 365 दिन यदि इहलोक में निवास बना रहा एवं देह और आत्मा के परस्पर संबंध पर मंथन हो सका तो ग्रेगोरियन कैलेंडर का कल से आरम्भ होनेवाला यह वर्ष शायद कुछ उपयोगी सिद्ध हो सके।

बोध कथा

शिकार का ऐलान

सालों पहले एक घने से जंगल में कुछ जानवर रहा करते थे। उनमें से एक शेर था और उसकी सेवा में हरदम लोमड़ी, भेड़िया, चीता और चील रहते थे। लोमड़ी को शेर ने अपनी सेक्रेटरी, चीता को अपना अंगरक्षक और भेड़िये को अपना गृहमंत्री बना रखा था। इनके अलावा, चीता दूर-दूर की सारी खबरें लाकर शेर को देता था यानी वो खबरी का काम करता था। इन चारों को भले ही शेर ने अच्छे-अच्छे पद दे रखे थे, लेकिन दूसरे जानवर इन्हें चापलूस मंडली कहते थे। सबको पता था कि चारों कोई काम करें, चाहे न करें, लेकिन शेर की चापलूसी खूब अच्छे से करते हैं। रोजाना चारों जानवर शेर की बढ़ाई में कुछ शब्द कह देते थे, जिससे वो खुश हो जाता था। इन सबके चलते जैसे ही शेर शिकार करता था, तो अपना पेट भरने तक खाने के बाद वो अपने चारों खास पद में बैठे जानवरों को बाकी का हिस्सा दे देता था। इसी तरह लोमड़ी, भेड़िया, चीता और चील की जिंदगी बड़े ही आराम से कट रही थी।

एक दिन खबरी चील ने अपने चापलूस दोस्तों को आकर बताया कि काफी देर से सड़क के पास में ही एक ऊंट बैठा हुआ है। भेड़िया ने सुनते ही पूछा कि क्या वो अपने काफिले वालों से बिछड़ गया है? चीते ने इस सवाल को सुनते ही कहा कि चाहे जो भी हो हम उसका शिकार करवा देते हैं शेर से। उसके बाद कई

दिनों तक आराम से उसे खाएंगे। इस बात को सहमति देते हुए लोमड़ी ने कहा कि ठीक है मैं जाकर राजा से यह बात करती हूं। इतना कहकर सीधे लोमड़ी शेर के पास पहुंची और बड़े ही प्यार से बोली, 'महाराज! हमारा दूत खबर लेकर आया है कि एक ऊंट हमारे इलाके में आकर सड़क के किनारे में बैठा हुआ है।' मुझे किसी ने बताया था कि मनुष्य जिन जानवरों को पालते हैं उनका स्वाद काफी अच्छा होता है। एकदम राजाओं के खाने के लायक। अगर आप कहें, तो मैं यह एलान करवा दूं कि वह ऊंट आपका शिकार है? लोमड़ी की अच्छी बातों में आकर शेर ने कहा, ठीक है। इतना कहते ही वह उस जगह पर पहुंच गया, जहां ऊंट बैठा हुआ था। शेर ने देखा कि वो ऊंट काफी कमजोर है और उसकी आंखें भी काफी पीली हो चुकी हैं। उसकी ऐसी हालत शेर से देखी नहीं गई। उसने ऊंट ने पूछा कि दोस्त, तुम्हारी ऐसी हालत कैसे हो गई? कराहते हुए ऊंट ने जवाब दिया, 'जंगल के राजा क्या आपको नहीं पता कि सारे इंसान कितने दयाहीन होते हैं। सारी उम्र मुझसे एक व्यापारी ने माल ढुलाया। अब मैं बीमार हो गया, तो उसने मुझे अकेले मरने के लिए छोड़ दिया। उसने सोचा कि मैं उसके किसी काम का नहीं रहा। इसी वजह से अब वो मुझे अपने साथ नहीं रख रहा है और न ही मेरा इलाज करवा रहा है। अब आप ही मेरा शिकार कर दीजिए ताकि मुझे इस दर्द से मुक्ति मिल जाए।' इन सब बातों को सुनकर शेर काफी दुखी हुआ। उसने ऊंट से कहा कि अब तुम इसी जंगल में रहोगे हमारे साथ। यहां तुम्हें कोई भी नहीं मारेगा। मैं एलान कर देता हूं कि तुम्हारा शिकार कोई जानवर नहीं करेगा। शेर की इस दयालुता को देखकर चारों चापलुस जानवर दंग रह गए। धीमी आवाज में भेड़िये ने कहा कि कोई नहीं, बाद में इसे किसी तरह से मरवा देंगे। अभी जंगल के राजा का आदेश मान लेते हैं।

ऊंट अब उसी जंगल में आराम से रह रहा था। अच्छे से हरी घास खाते-खाते ऊंट एक दिन बिल्कुल स्वस्थ हो गया। वो हमेशा शेर के प्रति आदर भाव रखता था और शेर के दिल में भी उसके लिए दया और प्रेम की भावना थी। अब शेर की शाही सवारी भी स्वस्थ ऊंट निकालता था। वो शेर के चारों खास पदाधिकारी जानवरों को अपनी पीठ पर बैठाकर चलता। एक दिन चापलूस जानवरों ने जंगल के राजा शेर को हाथी का शिकार करने के लिए कहा। राजा भी मान गया, लेकिन वो हाथी पागल था। उसने शेर को बुरी तरह से पटक दिया। किसी तरह से शेर पागल हाथी से बच तो गया, लेकिन उसे काफी चोट लग लई।

अब बीमार शेर बिना शिकार किए किसी तरह से अपनी जिंदगी जीने लगा। उसके सेवक भी भूखे थे। उनके मन में हुआ कि आखिर ऐसा क्या करें कि कुछ खाने को मिल जाए। फिर उनका ध्यान हट्टे-कट्टे हो चुके ऊंट पर गया। सबने मिलकर एक तरकीब सोची और राजा के पास चले गए। सबसे पहले भेड़िए ने कहा कि महाराज आप कितने दिनों तक भूखे रहेंगे। मेरा शिकार करके मुझे खा लीजिए आपकी भूख मर जाएगी। फिर चील कहने लगी कि राजा साहब! भेड़िए का मांस खाने लायक नहीं होता है। आप मुझे खा लीजिए। चील को पीछे धकेलते हुए लोमड़ी बोली, 'तुम्हारा मांस इनके दांतों में ही लगकर रह जाएगा। आप इसे छोड़िए मुझे खा लीजिए। एकदम से फिर चिता बोला कि इसके शरीर में आपको सिर्फ बाल ही मिलेंगे। आप मुझे खाकर अपनी भूख मिटा लीजिए। ये सब उन चापलूस जानवरों का नाटक था, जिसे ऊंट नहीं समझ पाया। उसने भी एकदम से कहा कि महाराज, मेरी जिंदगी तो आपकी ही दी हुई है। आप इस तरह से भूखे क्यों रहेंगे। आप मुझे मारकर खा लीजिए। चारों चापलूस जानवरों को इसी बात का इंतजार था। उन्होंने एकदम कहा कि ठीक है महाराज आप ऊंट को ही खा लीजिए। अब तो ये खुद ही कह रहा है कि मुझे खा लो और इसके शरीर में मांस भी काफी ज्यादा है। अगर आपकी तबीयत ठीक नहीं लग रही है, तो इसका शिकार हम कर देते हैं। इतना कहते ही चीते और भेड़िये ने मिलकर एक साथ ऊंट पर हमला कर दिया। कुछ ही देर में ऊंट की मौत हो गई।

वीर गाथा

लांस हवलदार प्यारा सिंह : जान की बाजी लगाकर ध्वस्त किया उग्रवादियों का ठिकाना

लांस हवलदार प्यारा सिंह का जन्म पंजाब के लुधियाना में हुआ था। वे भारतीय सेना की सिक्ख लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट के वीर योद्धा थे। उन्होंने उग्रवाद विरोधी अभियान में उच्च कोटि की वीरता का प्रदर्शन किया था।

प्यारा सिंह साल 1966 में अपनी यूनिट के साथ मणिपुर में तैनात थे। वहां शांति स्थापना के लिए उग्रवादियों के खिलाफ अभियान चलाए जा रहे थे। इससे बौखलाए उग्रवादी घात लगाकर हमले कर रहे थे।

स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए सैनिकों को हर समय काफी सतर्क रहना होता था। उन्हें किसी भी समय कार्रवाई के लिए बुलाया जा सकता था। पच्चीस दिसंबर को एक विश्वसनीय खुफिया सूत्र ने महत्त्वपूर्ण सूचना भेजी। उसके आधार पर सेना ने उग्रवादियों के खिलाफ अभियान की योजना बनाई।

प्यारा सिंह को भी उस टीम में शामिल किया गया, जिसे उग्रवादियों के एक ठिकाने को तबाह करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। वे प्लाटून की कमान संभाल रहे थे। जब प्लाटून ने शिविर पर हमला बोला तो उग्रवादियों की ओर से एलएमजी द्वारा भारी गोलीबारी की गई।

प्यारा सिंह अपने जवानों का नेतृत्व करते हुए आगे बढ़े और उग्रवादियों के ठिकाने का पता लगाकर धावा बोला। उनके बाद साथी जवानों ने भी जोरदार गोलीबारी की, जिससे कई उग्रवादी ढेर हो गए।

हालांकि इस दौरान प्यारा सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उनके सीने पर कई गोलियां लगी थीं। उन्होंने पूरी हिम्मत बटोरते हुए बंदूक उठाई, आगे बढ़े और धुआंधार गोलीबारी करते हुए उग्रवादियों के ठिकाने को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। उसके बाद वे वीरगति को प्राप्त हो गए। उन्हें शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मनुष्यों को अंतरिक्ष में भेजना, गहरे समुद्र में अन्वेषण : भारतीय विज्ञान के लिए 2024 रहेगा व्यस्त

नई दिल्ली/भाषा। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर ऐतिहासिक 'सॉफ्ट लैंडिंग' के बाद भारत ने अब और चुनौतीपूर्ण अभियानों पर अपनी नजर टिका दी है जिसमें मनुष्यों को अंतरिक्ष में भेजना और चंद्रमा की सतह से नमूने लेकर पृथ्वी पर लौटना शामिल है। दोनों परियोजनाओं का परीक्षण नए साल में होने की संभावना है। भारतीय वैज्ञानिकों के लिए खोज केवल चंद्रमा तक ही सीमित नहीं है। गहरे समुद्र में अन्वेषण को आगे बढ़ाने के लिए देश का 'समुद्रयान' के जरिए 'एक्वानॉट्स' (अन्वेषण गोताखोर) को भेजने का कार्यक्रम है। उन्हें पहले मार्च में 500 मीटर की गहराई में भेजा जाएगा और बाद 6,000 मीटर की गहराई तक जाने का लक्ष्य है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा 'एक्सपोसैट' के प्रक्षेपण के साथ नववर्ष की शुरुआत किए जाने की संभावना है। 'एक्स-रे पोलरिमीटर सैटेलाइट' (एक्सपोसैट) एक्स-रे स्रोत के रहस्यों का पता लगाने और 'ब्लैक होल' की रहस्यमयी दुनिया का अध्ययन करने में मदद करेगा। यह उपग्रह श्रीहरिकोटा से ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) से एक जनवरी को प्रक्षेपित किया जाना है।

इसके बाद 'आदित्य एल-1' उपग्रह को छह जनवरी को शाम चार बजे 'लैंग्रेजियन' बिंदु-1 में स्थापित किया जाएगा जहां से इसे सूर्य का निर्बाध दृश्य दिखाई देगा और यह अगले पांच साल तक सूर्य का अध्ययन करेगा। नववर्ष में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और इसरो की 1.2 अरब डॉलर की संयुक्त परियोजना 'निसार' उपग्रह का प्रक्षेपण भी होगा। यह जलवायु परिवर्तन का अध्ययन करने के लिए पृथ्वी की तस्वीर लेने वाला अब तक का सबसे महंगा उपग्रह होगा। साल 2023 भारत में विज्ञान के लिए महत्वपूर्ण वर्ष रहा जब 14 जुलाई को 'चंद्रयान-3' मिशन का प्रक्षेपण किया गया और 23 अगस्त को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में इसकी 'सॉफ्ट लैंडिंग' हुई।

मिशन के 'विक्रम' लैंडर मॉड्यूल के साथ चंद्रमा की सतह पर रोवर 'प्रज्ञान' भी उतरा जो कुछ मीटर तक घूमा, चंद्रमा की तस्वीरें खींचीं और चंद्रमा की मिट्टी 'रेगोलिथ' भी निकाली ताकि इसकी विशेषताओं का अध्ययन किया जाए।

साल 2024 में 'गगनयान' परियोजना के तहत दो मानवरहित मिशन भेजे जाएंगे। परीक्षण यान मिशन का उद्देश्य अंततः गगनयान मिशन के तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी पर वापस लाने के लिए क्रू मॉड्यूल और चालक बचाव प्रणाली के सुरक्षा मानकों का अध्ययन करना है।

उज्ज्वला योजना की लाभार्थी के घर पहुंचकर प्रधानमंत्री ने चाय पी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को अपने अयोध्या दौरे में लता मंगेशकर चौक के करीब स्थित एक मोहल्ले में उज्ज्वला योजना की 10 करोड़वीं लाभार्थी मीरा से उनके घर मुलाकात की और चाय पी।

प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या में रैली को संबोधित करते हुए स्वयं इस बात का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, आज मुझे उज्ज्वला गैस कनेक्शन की 10 करोड़वीं लाभार्थी के घर जाकर चाय पीने का अवसर मिला। उन्होंने उज्ज्वला योजना की वर्ष 2019 में बलिया से शुरुआत करने की याद दिलाते हुए कहा कि तब (विपक्ष द्वारा) इसका उपहास उड़ाया जाता था लेकिन उज्ज्वला योजना ने करोड़ों माताओं, बहनों का जीवन बदल दिया है।

शनिवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री ने उज्ज्वला योजना की लाभार्थी के आवास पर चाय पी और उनसे संक्षिप्त बातचीत की। मोदी का यह कार्यक्रम पहले से निर्धारित नहीं था। ऐसे में प्रधानमंत्री के मीरा के घर अचानक पहुंचने पर पूरी बस्ती के लोग हैरान रह गए। उनके पहुंचने पर पूरा क्षेत्र मोदी-मोदी के नारों से गूंज उठा। इस दौरान मोदी ने मीरा के हाथों की बनी चाय पी और कहा कि ''चाय अच्छी है, मगर थोड़ी मीठी हो गई है। बयान में कहा गया कि इसके साथ ही मोदी ने परिवार व पूरी बस्ती का हाल-चाल जाना। मोदी लाभार्थी मीरा के परिवार वालों से भी मिले। इस दौरान मोदी ने योजना के लाभ के बारे में जानकारी ली। इस पर मीरा ने मोदी से कहा कि ''मुझे नि:शुल्क गैस और आवास मिल गया है। वह बोलीं, पहले मेरा कच्चा घर था पर अब पक्का हो चुका है। आपके घर आने से बहुत खुशी हुई है।

इस मौके पर मोदी ने एक बच्चे को ऑटोग्राफ भी दिया। इसमें उन्होंने वंदे मातरम लिखा और स्थानीय बच्चों संग तस्वीर भी खिंचवाई।

जयशंकर की रूस यात्रा ने रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने का अवसर प्रदान किया : विदेश मंत्रालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मॉस्को/भाषा। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर की रूस यात्रा ने पहले से जारी द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा करने एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने का अवसर प्रदान किया है। जयशंकर 25 से 29 दिसंबर तक रूस के दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की और उपप्रधानमंत्री एवं उद्योग व्यापार मंत्री डेनिस मंटुरोव के साथ चर्चा की। उन्होंने अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव से भी मुलाकात की।

विदेश मंत्री ने व्यापार और आर्थिक मुद्दों, ऊर्जा, रक्षा, कनेक्टिविटी, सांस्कृतिक संबंधों, लोगों से लोगों के बीच संपर्क और दोनों देशों के बीच सहयोग को लेकर विचारों का व्यापक आदान-प्रदान किया। उन्होंने बहुपक्षीय सहयोग सहित वैश्विक और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर भी अपने विचार साझा किए। उनकी रूस यात्रा के दौरान कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्रों से संबंधित तीन दस्तावेजों, औषधि और स्वास्थ्य सेवा में सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन तथा विदेश कार्यालय परामर्श पर एक प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए गए। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, विदेश मंत्री की रूस यात्रा ने जारी द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा करने तथा दोनों देशों के बीच विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने का अवसर प्रदान किया है। इसमें कहा गया, भारत-रूस संबंध रणनीतिक, भूराजनीतिक हितों और दोनों देशों के बीच पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग के आधार पर मजबूत एवं स्थिर बने हुए हैं।

बुधवार को, क्रेमलिन में जयशंकर की पुतिन से मुलाकात के दौरान रूसी राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अगले साल रूस आने का निमंत्रण दिया। पुतिन ने जयशंकर से कहा, हमें अपने मित्र श्रीमान प्रधानमंत्री मोदी को रूस में देखकर खुशी होगी। अब तक भारत और रूस में बारी-बारी से 21 वार्षिक शिखर सम्मेलन हो चुके हैं। पिछला शिखर सम्मेलन दिसंबर 2021 में नई दिल्ली में हुआ था।

फिल्म 'लाला का लालटेन' का होगा वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता यश कुमार की फिल्म लाला का लालटेन का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर 30 दिसंबर को भोजपुरी सिनेमा पर होगा। फिल्म लाला का लालटेन का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर 30 दिसंबर को संध्या 5 बजे से भोजपुरी सिनेमा पर होगा। इसका पुनः प्रसारण अगले दिन 31 दिसंबर को भी किया जायेगा।

यश कुमार ने बताया कि इस फिल्म का प्रीमियर शानदार होने वाला है। भोजपुरी के दर्शक इस फिल्म को भोजपुरी सिनेमा के साथ दंगल एप पर भी देख सकेंगे। फिल्म काफी अच्छी है और यह बिहार के लोगों के लिए बेहद महत्वपूर्ण भी होने वाली है।

फिल्म लाला का लालटेन में यश कुमार, लालू यादव के किरदार में नज़र आ रहे हैं। यश कुमार की यह फिल्म राजनीतिक थीम पर बनी फिल्म नज़र आती है, जो बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के उस दौर की है, जब बिहार में जात पात और ऊंच नीच का भेद चरम पर था। उस वक्त लालू प्रसाद यादव का उदय और उनके उनके संघर्षों को इस फिल्म के जरिये दिखाया गया है। इस फिल्म में स्मृति सिन्हा, लालू यादव की पत्नी राबड़ी देवी के किरदार में नज़र आ रही हैं।

फ़िल्म लाला का लालटेन में यश कुमार, स्मृति सिन्हा, संजय पांडेय, अनूप अरोरा, महेश आचार्य, आयशा कश्यप, सोनू पांडे,सुबोध सेठ, गोपाल राय मुख्य भूमिका में हैं। निर्देशक धीरू यादव हैं। निर्माता सुमन शर्मा हैं। गीतकार प्यारेलाल यादव, राजेश मिश्रा, मुन्ना दुबे, शेखर मधुर हैं। संगीतकार स्वर्गीय धनंजय मिश्रा और मुन्ना दुबे हैं। पटकथा एवं संवाद वीरू ठाकुर का है।संकलन गुर्जट सिंह का है। मारधाड़ दिनेश यादव, छायांकन सत्य प्रकाश और बैनर स्काईलाइन फ़िल्म मीडिया प्रजेंट है।

अमेरिका में भारतीय मूल का दंपति, बेटी मृत मिले; पुलिस को घरेलू हिंसा का संदेह

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिका के मैसाच्युसेट्स में भारतीय मूल का एक दंपति और उनकी किशोर बेटी अपने आलीशान घर में मृत पाए गए हैं। यह मामला प्रत्यक्ष तौर पर घरेलू हिंसा से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। नॉरफॉक जिले के अटॉर्नी (डीए) माइकल मॉरिससे ने बृहस्पतिवार को बताया कि राकेश कमल (57), उनकी पत्नी टीना (54) और उनकी बेटी एरियाना (18) के शव शाम लगभग साढ़े सात बजे डोवर स्थित उनके आवास में पाए गए।

मैसाच्युसेट्स की राजधानी बोस्टन शहर से डोवर लगभग 32 किलोमीटर दूर दक्षिण पश्चिम में है। टीना और उनके पति पहले एडुनोवा नाम की शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी कंपनी चलाते थे जो बाद में बंद हो गई थी। जिले के अटॉर्नी ने घटना को 'घरेलू हिंसा' करार दिया और कहा कि कमल के शव के पास एक बंदूक मिली। न्यूयॉर्क पोस्ट की एक खबर के अनुसार, उन्होंने यह बताने से इंकार कर दिया कि क्या परिवार के तीनों सदस्यों की गोली मारकर हत्या की गई थी और इसे किसने अंजाम दिया।

फिल्म 'माया का राङ हरु' में नजर आएगी कुंदन भारद्वाज और पॉल शाह की जोड़ी

मुंबई/वार्ता

हिंदी और नेपाली भाषा की फिल्म 'माया का राङहरु' (कलर्स ऑफ लव) में कुंदन भारद्वाज और पॉल शाह की जोड़ी नजर आयेगी। प्रॉमिस एंटरटेनमेंट प्रेजेंटस और प्रेजेंटर पूनम तमांग की हिंदी और नेपाली भाषा मे बनने जा रही फिल्म 'माया का राङहरु' (कलर्स ऑफ लव) की घोषणा कर दी गई है। फिल्म 'माया का राङहरु' (कलर्स ऑफ लव) में टीवी, बॉलीवुड, नेपाली और भोजपुरी फिल्मों में काम कर चुके अभिनेता कुंदन भारद्वाज और नेपाली फिल्मों के सुपरस्टार पॉल शाह केंद्रीय भूमिका में नजर आने वाले हैं। फिल्म की शूटिंग मुंबई, सिक्किम, दार्जिलिंग, इलम, काठमांडू सहित देश के कई स्थानों पर की जाएगी।

निदेशक केवल तमांग और सह-निर्माता जेनिश न्यूपेन ने कहा कि हम ये नहीं कहेंगे कि हमारी कहानी अलग है या सबसे हटके है बल्कि जब दर्शक जब फिल्म देखे तो वे खुद कहे कि ये फिल्म एक दम हटके है इसकी कहानी से लेकर हर एक सीन नया है। जब दर्शक आपकी फिल्मों को प्यार देते हैं तब एक निर्माता और निर्देशक का काम खत्म होता है, वही इससे आगे और अच्छा काम करने की इच्छा जागृत होती है। वैसे 'माया का राङहरु' (कलर्स ऑफ लव) में आपको वो सब कुछ देखने को मिले जिसके बारे कभी अपने सोचा नहीं होगा। इसमें हम वीएफएक्स का भी भरपूर उयोग करने वाले हैं।

कुंदन भारद्वाज ने कहा कि 'माया का राङहरु' (कलर्स ऑफ लव) बहुत ही जबर्दस्त फिल्म होने वाली है। क्योंकि इसकी कहानी में एक्शन है ड्रामा है और एक प्यारी सी लव स्टोरी है जिसे देखकर दर्शक खुद को कनेक्ट कर पाएंगे। मुझे इस फिल्म की कहानी बेहद ही पसंद आई है। और लगता नहीं बल्कि यकीन है कि दर्शकों को भी ये पसंद आएगी। इस फ़िल्म दर्शकों हमारे देश के साथ साथ नेपाल की भी खूबसूरत वादियां नजर आएगी।

पॉल शाह ने कहा कि यह मेरे हिंदी पहली फिल्म है जिसको लेकर मैं बहुत ही उत्साहित हूँ। क्योंकि इसमें दर्शकों बहुत कुछ देखने को मिलने वाला है। इसमें कहानी, संदेश और सबसे ज्यादा दर्शकों का पसंदीदा विषय लव है। इतिहास उठाकर देख लीजिए। जब जब कोई प्रेम कहानी बनी टैब टैब वो हिट रही है।

ओटीटी पर रिलीज होगी 'हाय नन्ना'

मुंबई/भाषा

अभिनेता नानी और मृणाल ठाकुर की रोमांस पर आधारित ड्राम फिल्म 'हाय नन्ना' चार जनवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। यह जानकारी शनिवार को नेटफ्लिक्स ने एक्स पर पोस्ट साझा करके दी। शौरयुव द्वारा निर्देशित, तेलुगु फिल्म सकारात्मक समीक्षा के साथ सात दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

नेटफ्लिक्स के एक्स पर किए गए एक पोस्ट में लिखा है कि ''प्यार हवा में है, और हमारा उत्साह भी। नेटफ्लिक्स की पोस्ट में जानकारी दी गई है कि फिल्म चार जनवरी से नेटफ्लिक्स पर तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी भाषा में दिखाई जाएगी।'' हाय नन्ना एक दयालु पिता, विराज (नानी) और उनकी छह वर्षीय बेटी माही (कियारा खन्ना) की कहानी है। फिल्म में नासर, जयराम, प्रियदर्शी पुलिकोंडा, अंगद बेदी और विराज अश्विन भी प्रमुख भूमिका में हैं।

'सास अठन्नी बहू रुपैया' में काम करेंगे विक्रांत सिंह राजपूत

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता विक्रांत सिंह राजपूत फिल्म सास अठन्नी बहू रुपैया में काम करते नजर आयेंगे। सास अठन्नी बहू रुपैया ,सास और बहू के रिश्ते पर आधारित है जिसके बीच एक बेटे और पति की भूमिका पर केंद्रित यह फिल्म होने वाली है। विक्रांत सिंह राजपूत अभिनीत इस फिल्म के निर्माता अंशुमान सिंह और निर्देशक विष्णु शंकर बेलू हैं। इस फिल्म की कहानी सुरेंद्र मिश्रा ने लिखी है।इस फिल्म को लेकर विक्रांत सिंह राजपूत ने कहा कि फिल्म की पटकथा बेहद मजेदार है। यह फिल्म जब रिलीज होगी, तब दर्शकों को बहुत पसंद आने वाली है। फिल्म का भव्य मुहूर्त संपन्न हो गया है और अब हम सभी फिल्म की शूट की तैयारी में लग जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में उनका किरदार बेहद खास होने वाला है। फिल्म महिला सशक्तिकरण को भी अपनी कहानी के जरिए प्रमोट करती नजर आएगी।विष्णु शंकर बेलू इंडस्ट्री के दिग्गज निर्देशकों में से हैं उनके साथ काम करने का अनुभव मजेदार होने वाला है। हम सभी अपने काम को लेकर समर्पित है और उम्मीद करेंगे कि हमारे फिल्म दर्शकों को भी खूब पसंद आए।

वही फिल्म के निर्माता अंशुमान सिंह ने कहा कि हम भोजपुरी में एक ऐसी फिल्म का निर्माण कर रहे हैं, जिससे परिवार और समाज जुड़े और हमारी फिल्म की कहानी कुछ ऐसी है। जिससे लोग यह समझ सके कि सास और बहू का रिश्ता क्या होता है और उन रिश्तो में एक पति और बेटे की भूमिका क्या होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह कोई सीरियस फिल्म नहीं होने वाली है बल्कि पूरी तरह से कमर्शियल और एंटरटेनिंग प्रेजेंटेशन इस फिल्म को दूसरे फिल्मों से अलग बनाएगी। फिल्म में एक से बढ़कर एक गाने भी होंगे और संवाद भी दर्शकों को गुदगुदाने वाले होंगे। इस फिल्म में मनोरंजन की फुल गारंटी होगी इसलिए हम भोजपुरी के दशकों से अपील करेंगे कि जब भी यह फिल्म रिलीज होगी आप सभी से अपने परिवार के साथ जरूर देखें। फ़िल्म में ऋचा दीक्षित,अनिता रावत, नीलम, रजनीश झा, संतोष श्रीवास्तव, सिमरन श्रीवास्तव मुख्य भूमिका है।

निर्देशन करना चाहती है रानी मुखर्जी

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री रानी मुखर्जी अब निर्देशन करना चाहती है। रानी मुखर्जी को फिल्म इंडस्ट्री में आये हुये ढाई दशक हो गये हैं। रानी मुखर्जी ने अपने सिने करियर मे कई कामयाब फिल्मों में अभिनय किया है।रानी मुखर्जी अब निर्देशन करना चाहती है। रानी मुखर्जी ने कहा, मुझे फिल्म निर्माण का हर पहलू पसंद हैं। यदि मुझे भविष्य में ऐसा निर्देशन का कोई मौका मिलता है, तो मैं उसका हिस्सा बनना पसंद करूंगी।मैं हर चीज के लिए इंशाल्लाह कहूंगी और आगे की चीजें ब्रह्मांड की अलौकिक शक्ति पर छोड़ देती हूं। फिल्म इंडस्ट्री में इतने वर्षों से काम करते आ रहे किसी भी व्यक्ति के लिए जिंदगी में कभी कुछ भी असंभव जैसी चीजें नहीं हो सकती हैं। रानी मुखर्जी ने कहा,फिलहाल मैं अपना पूरा ध्यान सिनेमाघरों में आने वाली फिल्मों पर ही रखना चाहूंगी, जहां से 27 साल पहले मैंने शुरुआत की थी। मेरे लिए यह अरेंज मैरिज की तरह है, जहां एक बार बड़े पर्दे के साथ मेरी शादी हुई और अब मैं पूरी तरह से उसके प्यार में हूं। मुझे कोई दूसरा प्यार नहीं चाहिए। सिनेमाघरों के लिए मैं वफादार रहना चाहती हूं।

नम आंखों से अमिताभ बच्चन ने 'कौन बनेगा करोड़पति 15' को किया अलविदा

नई दिल्ली/एजेन्सी

'कौन बनेगा करोड़पति 15' को होस्ट कर रहे अमिताभ बच्चन ने क्विज बेस्ड रियलिटी शो को भावनात्मक विदाई दी और कहा कि उन्होंने स्टेज की दस सीटों पर एक नया भारत देखा है। सीजन 15 के पहले एपिसोड का प्रीमियर 14 अगस्त को हुआ था। अमिताभ ने साल 2000 से नॉलेज बेस्ड रियलिटी शो के 14 सीजन को होस्ट किया है। हालांकि, 2007 में प्रीमियर हुए शो के सीजन 3 को होस्ट सुपरस्टार शाहरुख खान ने किया था। इस सीजन के आखिरी एपिसोड में आईएएस एस्पिरेंट अविनाश भारती थे, जो उत्तर प्रदेश के हैदरगंज के रहने वाले हैं। उन्होंने 50 लाख रुपये की रकम जीती। फिनाले एपिसोड में भारतीय पैरा-तीरंदाज शीतल देवी और एक्ट्रेस विद्या बालन भी शामिल थीं। उनके बाद अनुभवी एक्ट्रेस शर्मिला टैगोर और उनकी पोती और दिवा सारा अली खान थीं।

एपिसोड 100 में, जिसका टाइटल 'विदाई का समय' है, मेगास्टार को एक मोनोलॉग देते हुए देखा गया था। फिनाले एपिसोड के लिए अमिताभ ने रेड सूट पहना था और इसे वाइट शर्ट के साथ पेयर किया था। मोनोलॉग में, 'डॉन' फेम अभिनेता ने कहा, गुडबाय!... सचमुच अजीब हैं, जो लोग मुस्कुराहट के साथ अलविदा कहते हैं वे वास्तव में भारी मन से ऐसा करते हैं। किसी करीब को अलविदा कहना आपको दुखी करता है क्योंकि उनके जाने से आपके दिल में एक खालीपन आ जाता है।'' 81 वर्षीय एक्टर ने साझा किया कि उन्हें दर्शकों की सीटों पर बैठने की इच्छा थी। उन्होंने कहा, ''इन सीटों पर दर्शकों और उनके निस्वार्थ प्यार का कब्जा है। उन लोगों द्वारा जो यहां बिल्कुल अजनबियों की मदद करने के लिए आए हैं। यहां प्रार्थनाएं की जाती हैं। मैंने इन 10 सीटों (फास्टेस्ट फिंगर फर्स्ट सीट) पर एक नया भारत देखा है। एक गौरवशाली और प्रगतिशील भारत...''

'ब्रह्मास्त्र' फेम एक्टर ने आगे कहा, ''अटूट और दृढ़ संकल्प वाला भारत... एक ऐसा भारत, जिसने अपनी मेहनत की स्याही से नई नियतियां लिखीं। मैंने भविष्य को संवरते और इतिहास लिखे जाते देखा है। ऐसा लगता है मानो मैंने किसी के जीवन की पूरी यात्रा देखी हो।'' अमिताभ ने कहा कि स्टेज उनकी ताकत है। उन्होंने अपना मोनोलॉग समाप्त करते हुए कहा, दर्शकों की गूंजती तालियां न केवल हर प्रतियोगी के प्रयासों का सम्मान करती हैं, बल्कि मुझे हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। मैं इस सीजन को उसी तालियों के साथ समाप्त करना चाहता हूं। सेवानिवृत्त स्क्वाड्रन लीडर सुष्मिता सहाय 15वें सीजन की पहली प्रतियोगी थीं। आईएएस बनने की चाहत रखने वाले जसकरन सिंह सीजन 15 के पहले एक करोड़ रुपये के विजेता बने।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | रविवार | 31-12-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन अलसूर में आयोजित प्रवचन में विनयमुनि खींचन ने कहा कि यदि हमें शास्वत सुख को प्राप्त करना है तो पहले भौतिक सुखों की कामना से मुक्त होना होगा।

मुथा बने विल्सन गार्डन जैन युवा संगठन के अध्यक्ष, वया बने मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विल्सन गार्डन जैन युवा संगठन के नए पदाधिकारियों के चयन के लिए विल्सन गार्डन स्थित अपार्टमेन्ट में बैठक सम्पन्न हुई। अध्यक्ष विनोद बोहरा ने सभी का स्वागत करते हुए वर्ष 2024-25 के अध्यक्ष हेतु मोनिषा मुथा एवं मंत्री पद पर जितेश वया, उपाध्याय अभिषेक डोसी, सहमंत्री संजय पुगंलिया एवं कोषाध्यक्ष विनोद मांडोत के नाम का प्रस्ताव रखा और सर्वसम्मति से सभी घोषित नामों का चयन की घोषणा की। निवर्तमान मंत्री मनोजकुमार चोपड़ा नवनियुक्त अध्यक्ष एवं मंत्री को बधाई दी। विल्सन गार्डन संघ के नवनिर्वाचित मंत्री सज्जनराज बोहरा ने विल्सन गार्डन जैन युवा संगठन के समस्त सदस्यगणों को बधाई दी।

कैलेन्डर विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के चंद्रा लेआउट स्थित बीएमटीसी बस डिपो परिसर में शनिवार को प्रातः पॉकेट कैलेंडर का विमोचन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा देश कि सेवा के लिए राजनेता या अधिकारी बनना जरूरी नहीं है, कोई भी सामान्य नागरिक निष्ठा एवं ईमानदारी से अपने कर्तव्य का पालन करें तो वह भी देश की सेवा है। इस मौके पर डिपो के प्रबंधक हरीश कुमार, चंद्रशेखर एवं कुमार ने मुणोत को सम्मानित किया। कैलेन्डर में बस रूट एवं यातायात नियमों की जानकारी है जो कि बीएमटीसी कर्मचारियों के लिए उपयोगी है।

आज गुजराती संत धीरगुरुदेव का बेंगलूरु में पहली बार आगमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान गुजराती स्थानकवासी जैन संघ तुरखिया भवन गांधीनगर में तत्वावधान में गुजरात के गोंडल सम्प्रदाय के संतश्री धीरगुरुदेवजी मुम्बई से अपना चातुर्मास सम्पन्न कर पहली बार बेंगलूरु पधार रहे हैं। रविवार को सुबह 8 बजे गांधीनगर स्थित मोर्य होटल से संतश्री की शोभायात्रा निकाली जाएगी।जैन भवन में सुबह 9.30 बजे भक्तामर पाठ, रत्नाकर पच्चीसी अंतरयात्रा प्रवचन का आयोजन किया गया है। जैन भवन में 7 जनवरी तक रोजाना 10 बजे प्रवचन होगा। यह जानकारी राजेश मेहता ने दी।

निःशुल्क मधुमेह शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम के अंतर्गत शनिवार को केतमारणहल्ली राजाजीनगर उद्यान में निशुल्क मधुमेह जांच का आयोजन किया जिसमें 48 लोगों ने जांच करवाई। डाक्टरों ने विभिन्न जांच की तथा लोगों को परामर्श दिया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश गन्ना, राजेश देरासरिया एवं कमलेश चोरडिया ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

मोक्ष के सुख की अभिलाषा के पहले हम इंसान बनना सीखें : विनयमुनि खींचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन अलसूर में आयोजित प्रवचन में विनयमुनि खींचन ने कहा कि यदि हमें शास्वत सुख को प्राप्त करना है तो पहले भौतिक सुखों की कामना से मुक्त होना होगा। जो भौतिक सुख में आसक्ति रखते हैं वे आत्मा को विस्मृत कर देते हैं। हमारे अधिकांश दुख कृत्रिम होते हैं क्योंकि इन दुखों की निर्माता हमारी सोच ही होती हैं। विनयमुनि जी ने कहा कि राग में देवलोक का सुख हैं और द्वेष नरक का निर्माता हैं। राग में मानसिक शांति हैं जबकि द्वेष चिंगारी भड़कता हैं। राग में संवेदना जीवंत रहती हैं ओर व्यक्ति इंसान बनता है। राग से आपस में स्नेह व सहयोग भावना बढती हैं और सुख की अनुभूति होती हैं। मोक्ष के सुख की अभिलाषा के पहले हम इंसान बनना सीखें। जीव को कोई भी सुखी नही कर सकता है। यह सत्य तत्व है। सत्य भ्रम को तोड़ता हैं क्योंकि भ्रम जीव को भटकाता है। सत्य प्रकाश का पर्याय हैं। सत्य ज्ञात होते ही अनूठी अनुभूति होती हैं। यह अनुभूति ही सुख हैं। सभा का संचालन करते हुए अलसूर जैन संघ के मंत्री अभयकुमार बांठिया ने मुनि का स्वागत किया और बताया कि गत 25 वर्ष से विनयमुनिजी दक्षिण भारत प्रांतों में ही प्रवास कर रहे हैं।

'जीवन विकास के लिए उम्मीद का होना अति आवश्यक'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भद्रावती। शहर के पार्श्वनाथ जैन संघ के तत्वावधान में संत के दर्शनार्थ उपस्थित श्रद्‌ालुओं को संबोधित करते हुए आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जीवन में आशा और उम्मीद हमेशा होनी चाहिए जिसके मन में उम्मीद होती है वह जीवन की हर विषम परिस्थितियों से भी जीत कर बाहर आता है। देश है उत्थान और पारिवारिक सामायिक व व्यक्तिगत विकास के साथ समस्याओं के समाधान के लिए उम्मीद का होना बहुत जरुरी है। अनादि काल से इस जीव ने निराशा के कारण केवल भटकने का काम किया है। चारों गति में सुख नहीं है, शांति नहीं है, आनंद नहीं है, वह भूल गया है कि महान पुरुषों की दिव्य घोषणा है कि सुख शांति आनंद का मूलस्रोत है आशा-उम्मीद। यदि दुःख अशांति, आकुलता का कोई केन्द्र बिन्दु है तो वह भी स्वयं की विकृत्त दशा को प्राप्त आत्मा ही हैं। मुस्किल यही है कि व्यक्ति का निराशावादी मानस अच्छे नतीजे नहीं पा रहा, यह सिलसिला आगे बना रहा तो असफलता और भटकाव का अंत नहीं होगा।

सबरीमाला मेलसंथी पी एन महेश नंबूथिरी शनिवार को केरल के सबरीमाला में मकरविलक्कू उत्सव के लिए मंदिर के द्वार खोलते हुए।

अंडमान-निकोबार पुलिस ने पोर्ट ब्लेयर में बंदरगाह गश्त के लिए एफआईबी तैनात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पोर्ट ब्लेयर/भाषा। अंडमान-निकोबार पुलिस ने प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा, अवैध मछली पकड़ने पर रोक तथा खोज और बचाव अभियानों के वास्ते पोर्ट ब्लेयर क्षेत्र में चौबीस घंटे बंदरगाह पर गश्त के लिए एक अत्याधुनिक 'फास्ट इंटरसेप्टर बोट' (एफआईबी) तैनात की है। एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बंदरगाह क्षेत्र में कई सुरक्षा उपायों की आवश्यकता महसूस की गई, क्योंकि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) घाटों तक ही सीमित है और नौसेना तथा तटरक्षक बल मुख्य रूप से पांच समुद्री मील से अधिक तक गश्त करते हैं।अधिकारी ने बताया कि अंडमान और निकोबार पुलिस के शीर्ष अधिकारियों ने विचार-विमर्श के बाद पोर्ट ब्लेयर में एक एफआईबी लगाने का फैसला किया है।

अंडमान-निकोबार के पुलिस महानिदेशक देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, प्रतिक्रिया टीम का ध्यान प्रतिबंधित बंदरगाह क्षेत्र तक उचित पहुंच बनाना है तथा अग्निशमन अभियान, खोज और बचाव (एसएआर), चिकित्सा निकासी, समुद्री संचालन में सीआईएसएफ और पोर्ट कंट्रोल को पूरक सहायता प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में पुलिस मरीन फोर्स (पीएमएफ) के साथ दस एफआईबी हैं और ये सभी तटीय सुरक्षा के लिए पूरे द्वीपसमूह में तैनात हैं। 10 में से एक फास्ट इंटरसेप्टर बोट एमवी ट्रैक (निकोबार में एक द्वीप के नाम पर) को पोर्ट ब्लेयर में फीनिक्स बे जेट्टी में 'मोबाइल क्रिक रिस्पांस टीम (एमक्यूआरटी)' के रूप में तैनात किया गया है।

फीनिक्स बे जेट्टी पर तैनात एमक्यूआरटी में किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए प्रशिक्षित 'इंडिया रिजर्व बटालियन' (आईआरबीएन) कमांडो के साथ अंडमान और निकोबार पुलिस समुद्री बल के तकनीकी चालक दल के सदस्य शामिल हैं।

यह एक तेज गति वाली नाव है, जिसमें रात के वक्त खोज और बचाव क्षमताओं में सुधार के लिए उच्च क्षमता वाले निगरानी कैमरे, संचार प्रणाली और सर्चलाइट लगे हैं।

इसमें अंडमान और निकोबार कमांड और पोर्ट कंट्रोल के साथ निर्बाध संचार स्थापित करने के लिए समुद्री और पुलिस वायरलेस सेट भी लगे हैं।

भाजपा को अगले साल भी बीत रहे साल की तरह सफलता मिलने की उम्मीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए 2014 के बाद से आम तौर पर बुरे की तुलना में अधिक अच्छे वर्षों की संख्या अधिक रही हैं। इस साल की आखिरी तिमाही भी पार्टी के लिए तीन राज्यों में जीत के साथ सुखद रही और वह अगला साल भी पार्टी के लिए सुखद होने की उम्मीद कर रही है क्योंकि आगामी साल में आम चुनाव हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरे कार्यकाल को बरकरार रखने की कोशिश करेंगे।

हाल के राज्य विधानसभा चुनावों में पार्टी की बड़ी जीत ने इसकी मजबूत स्थिति की पुष्टि की है और पार्टी नेताओं का मानना है कि आने वाले कई घटनाक्रम इसकी संभावनाओं को और मजबूत करेंगे।

भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े संगठन और लोग सहयोगी पहले ही 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान राम की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर उत्साह पैदा करने में सफल हो चुके हैं और माना जा रहा है कि माहौल बनाने के लिए चुनाव से पहले एक या दो राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू की जा सकती है एवं सत्तारूढ़ दल के लिए मैदान अभी भी अनुकूल बना हुआ है। तीन हिंदी भाषी राज्यों में विपरीत परिस्थितियों के बावजूद विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत के बाद, भाजपा के नीति निर्धारक अब इस योजना में व्यस्त हैं कि वह 2019 के लोकसभा चुनाव में 303 सीटों की अपनी संख्या में कैसे सुधार कर सकते हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेताओं द्वारा इन दिनों पिछली बार की 300 के मुकाबले 2024 में 350 के करीब सीट जीतने की संभावना पर बात करना असामान्य नहीं है। इस आशावाद को विपक्षी गठबंधन की तरफ से हवा दी गई है जो बिना किसी एजेंडे, संयुक्त कार्यक्रम या दृष्टिकोण या नेतृत्व के साथ सामने आया है। विपक्षी पार्टियों ने जुलाई में अपने गठबंधन का नाम 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस) रखा था।

इस साल 'ब्रांड मोदी' और मजबूत हुआ जिसका प्रभाव राज्यों के विधानसभा पर देखने को मिला। लोकसभा की सीटों के हिसाब से हिमाचल प्रदेश को छोड़कर भाजपा ने पूरे उत्तर भारत से कांग्रेस को उखाड़ फेंका और कुछ शेष क्षेत्रीय क्षत्रपों के प्रभाव को कम किया।

मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अपनी जीत के साथ, भाजपा अब पंजाब, हिमाचल प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी को छोड़कर पूरे उत्तर-पश्चिम भारत पर शासन कर रही है, जो 2014 के लोकसभा चुनावों से उसका अभेद्य किला बना हुआ है।

क्षेत्र के 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली में लोकसभा की 258 सीटें हैं और भाजपा ने 2019 के चुनावों में लगभग 80 प्रतिशत की जीत दर के साथ इनमें से 200 सीटें जीती थीं। कांग्रेस को उम्मीद थी कि वह विधानसभा चुनावों में अच्छे प्रदर्शन के साथ इन राज्यों, विशेषकर हिंदी भाषी राज्यों में राजनीतिक समीकरण को फिर से अपने पक्ष में कर सकती है, लेकिन इसके बजाय वह तब स्तब्ध रह गई जब उम्मीदों के विपरीत छत्तीसगढ़ में भी सत्ता खो दी।

महाराष्ट्र लोकसभा में 48 सदस्यों को भेजता है और भाजपा के लिए चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। हालांकि पार्टी नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया है कि पार्टी उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में 2019 से बेहतर प्रदर्शन करेगी। उसके इस विश्वास के पीछे मुख्य रूप से मोदी की व्यापक स्वीकार्यता, पार्टी की लोकप्रियता और बेजोड़ संगठनात्मक ताकत है।

वर्ष के मध्य में यह प्रतीत हुआ कि कांग्रेस, जो अधिकांश चुनावी राज्यों में भाजपा की मुख्य प्रतिद्वंद्वी थी, ने अंततः अपने केंद्रीकृत अभियान और व्यापक विचार-विमर्श के साथ सत्तारूढ़ पार्टी की ताकत से निपटने का एक तरीका ढूंढ लिया है जिसमें क्षेत्रीय मुद्दे और नेता हमेशा महत्वपूर्ण लेकिन गौण भूमिका निभाते हैं।

स्वागत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शनिवार को उत्तर प्रदेश के अयोध्या पहुंचने पर लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत करते हुए।

केंद्र ने रेलवे को दिव्यांग लोगों के लिए और सुविधाजनक बनाने के लिए मसौदा दिशानिर्देश जारी किया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने दिव्यांग लोगों के लिए रेल यात्रा को और सुविधाजनक बनाने के लिए मसौदा दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसमें रेलवे स्टेशन और ट्रेन में बेहतर सुविधाएं सुलभ कराने के साथ ही 'टेक्स्ट-टू-स्पीच' (ऐसा फीचर जिसमें कोई व्यक्ति स्क्रीन पर लिखता है, तो इसे श्रव्य ध्वनि के रूप में बदल दिया जाता है ताकि दूसरे लोग इसे सुन सकें) और उपयोगकर्ता के अनुकूल 'चित्रलेख' या 'चित्र वाले चार्ट' जैसी तकनीक आधारित सुविधाएं उपलब्ध कराने की जरूरत पर जोर दिया गया है।

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने रेल का इस्तेमाल करने वाले दिव्यांग लोगों के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए प्रस्तावित दिशानिर्देशों पर हितधारकों और जनता से 29 जनवरी तक टिप्पणियां, आपत्तियां और सुझाव देने के लिए कहा है।

प्रस्तावित दिशानिर्देश में 'दिव्यांगजनों' के लिए समर्पित एक वेबसाइट की आवश्यकता का भी उल्लेख किया गया है जो उन्हें सभी सुविधाओं तक पहुंच बनाने में मदद करे।

मसौदा दिशानिर्देशों के मुताबिक, ये सुविधाएं दुनिया के दूसरे देशों में प्रयोग की जा रही सुविधाओं के सिद्धांतों पर आधारित होंगी और वेबसाइट, वर्ल्ड वाइड वेब दिशानिर्देशों के अनुरूप होगी, जिसमें 'टेक्स्ट-टू-स्पीच' और 'चित्रलेख' जैसी सुविधाएं मौजूद होंगी।

मसौदे में दिव्यांग जनों के लिए एक समर्पित मोबाइल ऐप और 'वन-क्लिक टेम्पलेट' बनाना भी शामिल है, जो स्टेशनों के साथ-साथ ट्रेन में भी उनके लिए उपलब्ध सभी जानकारी और सुविधाओं को प्रदर्शित करेगा।

जम्मू-कश्मीर के बारामूला में पुलिस ने करोड़ों रुपए के मादक पदार्थ नष्ट किए

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में जब्त किए गए करोड़ों रुपए के मादक पदार्थों को शनिवार को नष्ट कर दिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमोद अशोक नागपुरे की अध्यक्षता में जिला स्तरीय मादक पदार्थ निपटान समिति, बारामूला ने स्वापक औषधि और मन प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम की धारा 52 ए (जब्त मादक पदार्थ का निपटान) के तहत जब्त किए गए मादक पदार्थों को नष्ट कर दिया।

प्रवक्ता ने बताया कि उत्तरी कश्मीर जिले के उरी, बोनियार, पट्टन, क्रेरी, कुंजर और तंगमर्ग थानों में दर्ज 27 मामलों में जब्त किए गए प्रतिबंधित पदार्थों को नष्ट कर दिया गया। उन्होंने बताया कि जब्त किए गए पदार्थों में 6.30 किलोग्राम हेरोइन, 63.41 किलोग्राम अफीम का चूरा पोस्त, 207 ग्राम गांजा, 652 ग्राम भांग, 600 ग्राम भांग पाउडर, 953 ग्राम चरस, 1.12 किलोग्राम चरस पाउडर और 127 ग्राम फुक्की शामिल हैं। इन सभी मादक पदार्थों की कीमत करोड़ों रुपए है।

पुलिस ने इस साल जुलाई में जिले के विभिन्न थानों के 32 मामलों में जब्त मादक पदार्थों को नष्ट करने की कार्रवाई की थी।

प्रतिपक्ष ने सबरीमला तीर्थयात्रा के दौरान कुप्रबंधन का आरोप लगाया

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी. डी. सतीसन ने पुलिस और देवस्वोम बोर्ड सहित राज्य सरकार पर सबरीमला तीर्थयात्रा के पहले चरण को प्रभावी ढंग से आयोजित करने में विफल रहने का आरोप लगाया है। सतीसन ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को संबोधित एक पत्र में अपनी चिंता व्यक्त की। पत्र में मुख्यमंत्री से उन्होंने आगामी मकरविलक्कु तीर्थयात्रा के दौरान भक्तों के लिए त्रुटिहीन व्यवस्था सुनिश्चित करने का आग्रह किया। तिरुवनंतपुरम में बुधवार देर रात मंडला पूजा के बाद भगवान अयप्पा मंदिर के कपाट बंद हो गए। सतीसन ने हाल में सबरीमला तीर्थयात्रा के दौरान विभिन्न विभागों की कथित विफलताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राज्य सरकार और देवस्वोम बोर्ड तीर्थयात्रियों के लिए सुचारु दर्शन तथा बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने में बुरी तरह से विफल रहा। नेता प्रतिपक्ष ने कहा, भारत के सबसे महत्वपूर्ण तीर्थस्थल के इतिहास में पहली बार भक्तों की ऐसी दुर्दशा हुई कि उन्हें अपनी मालाएं उतारकर आधे रास्ते में ही तीर्थयात्रा समाप्त करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com